www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
12 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 101 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

## पुणे-सतारा हाईवे पर कार ट्रक से टकराई, चार युवकों की दर्दनाक मौत, दो गंभीर

**पुणे (एजेंसी)।** महाराष्ट्र में शिरवल के पास पुणे-सतारा हाईवे पर हुए एक भयानक सड़क दुर्घटना में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि, यह भयानक हादसा तब हुआ जब ड्राइवर ने कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन हाइवे के डिवाइडर से टकराकर पलट गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि, पलटी हुई कार दूसरे लेन में चली गई और सामने से आ रहे ट्रक से सीधे टकरा गई। टक्कर में कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि, कार में बैठे चार लड़कों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो अन्य घायल हो गए।

## ध्रुव राठी का वीडियो भारत में बैन

### गूगल ने हाईकोर्ट में कहा- इसमें राम, कृष्ण और सीता के अपमान वाली बातें थीं

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** गूगल ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि उसने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ध्रुव राठी का एक वीडियो भारत में रोक दिया है। गूगल के मुताबिक, सरकार की शिकायत अपीलीय समिति (कैग) के निर्देश पर यह कदम उठाया गया। गूगल ने कहा कि वीडियो से धार्मिक भावनाएं आहत हुई थीं। इसमें भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण और सीता देवी का अपमान करने वाले बयान थे।

## सीएम सुवेंदु के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, केशपुर जा रहे थे

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के हेलिकॉप्टर की कोलाघाट में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद वे सड़क मार्ग से केशपुर के लिए रवाना हो गए। घटना की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

## होटल में शख्स ने 2 बेटियों की गला दबाकर हत्या की

### फिर सुसाइड की कोशिश की

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** बेंगलुरु के एक 5-स्टार होटल में दो बच्चियों के शव बेड पर मिले, जबकि उनके पिता गंभीर हालत में टॉयलेट में मिले। पुलिस के मुताबिक, 40 साल के एसजी इमरान ने पहले अपनी 10 और 5 साल की बेटियों की गला घोंटकर हत्या की और फिर चाकू से अपना गला काटकर आत्महत्या की कोशिश की। होटल सिक्योरिटी ने उसे मणिपाल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर है।

## अरुणाचल सीमा पर फायरिंग में असम के 12 लोग घायल

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** असम के धीमाजी जिले में सोमवार सुबह अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास फायरिंग में 12 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, जमीन पर कब्जे के विवाद के बाद यह घटना हुई।

अब 'वंदे मातरम्' का अपमान होगा अपराध

# राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून हुआ लागू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का अपमान करना अब अपराध माना जाएगा। लोकसभा और राज्यसभा से 'वंदे मातरम् बिल' को मंजूरी मिलने के बाद आज मंगलवार, 11 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे अब यह कानून बन गया है।



इस कानून के लागू होने से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को जानबूझकर गाने से रोकना या उसमें बाधा डालना अपराध माना जाएगा। इस बिल से इसे वही कानूनी सुरक्षा मिलेगी जो अभी राष्ट्रीय गान को मिलती है।

राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026 अब कानून बन गया है। यह कानून 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' के बराबर का दर्जा देता है।

राज्यसभा ने इस बिल को 29 जुलाई को मंजूरी दी थी। वहीं लोकसभा में यह बिल 30 जुलाई को पास हुआ था। अब राष्ट्रपति ने भी इस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे अब यह विधेयक, कानून बन गया है।

# रेस्टोरेंट लौट रही महिला को हाथी ने पटक-पटककर मार डाला

देहरादून। डोईवाला के थानों क्षेत्र में सोमवार शाम मानव-वन्यजीव संघर्ष की एक दर्दनाक घटना सामने आई। जंगल से निकलकर आबादी की ओर आए एक जंगली हाथी ने दूध लेकर अपने रेस्टोरेंट लौट रही 37 वर्षीय महिला अंजली गुप्ता पर हमला कर दिया। हाथी ने महिला को सूंड से उठाकर कई बार जमीन पर पटक दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को ग्रामीणों और राहगीरों की मदद से देहरादून के सीएमआई अस्पताल पहुंचाया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत के साथ ही वन विभाग के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश भी बढ़ गया है।

### रेस्टोरेंट लौटते समय हाथी ने किया हमला

जानकारी के अनुसार अंजली गुप्ता का एयरपोर्ट-रायपुर मुख्य मार्ग पर धन्याड़ी क्षेत्र में रेस्टोरेंट है। सोमवार शाम करीब 7:15 बजे वह घर से दूध

लेकर पैदल अपने रेस्टोरेंट की ओर लौट रही थीं। इसी दौरान जंगल से सटे इलाके में अचानक एक जंगली हाथी उनके सामने आ गया।

महिला कुछ समझ पातीं, इससे पहले हाथी ने उन पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि अंजली ने अपनी जान बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन हाथी ने उन्हें सूंड से उठाकर कई बार जमीन पर पटक दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों के पहुंचने के बाद हाथी वहां से जंगल की ओर चला गया।

### कई पसलियां टूटी, अस्पताल में तोड़ा दम

हाथी के हमले में अंजली गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके शरीर में कई जगह चोटें आईं और कई पसलियां टूट गई थीं। वह सड़क पर गंभीर हालत में पड़ी थीं। ग्रामीणों और राहगीरों ने तत्काल उन्हें देहरादून के सीएमआई अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें आईसीयू में भर्ती कर उपचार शुरू किया।

काफी प्रयासों के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका और देर रात उन्होंने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में भी शोक और आक्रोश का माहौल है।

लाठीचार्ज के विरोध में

# भाजपा का झारखंड बंद का रहा मिला-जुला असर

● स्कूल, दफ्तर खुले, कई जगह बाजार बंद ● विधानसभा घेराव के दौरान ABVP कार्यकर्ताओं-पुलिस में झड़प

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड के रांची में सोमवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी बंद बुलाया। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह सड़कें जाम कीं। कुछ जिलों में कार्यकर्ता जबरन दुकानें बंद कराते भी नजर आए। कई शहरों में पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, कई प्राइवेट स्कूल खुले हुए थे।

इधर, झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। कार्यकर्ता पुरानी विधानसभा के पास जुटे थे, जहां उन्हें हिरासत में लेने के लिए पुलिस पहुंची। इसके बाद कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए, जबकि कुछ पुलिस वैन के आगे बैठ गए। पुलिस लगातार उन्हें हटाने की कोशिश करती रही, इसी दौरान धक्का-मुक्की और झड़प हुई।

वहीं, मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्ष पर युवाओं को भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, विपक्ष हल्ला करता रहेगा, हम अपना काम करते जाएंगे। सरकार छात्रों के हित में फैसले ले रही है।

**लाठीचार्ज में 100 से अधिक छात्र घायल-** छात्रों ने सोमवार को झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन किया था। विधानसभा घेराव के दौरान 100 से अधिक छात्र घायल हुए। कई छात्रों के हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की बात कही जा रही है।

### कॉकरोच पार्टी के दीपके बोले- हम झारखंड के छात्रों के साथ हैं

झारखंड में छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, जब राजनीतिक पार्टियां विरोध-प्रदर्शन करती हैं, तो आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जाता? सिर्फ़ छात्रों के खिलाफ़ ही ऐसा क्यों किया जा रहा है? मैंने देवेंद्र महतो से बात की, जिन्होंने मुझे बताया कि पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया, जबकि वे पिछले नौ दिनों से भूख हड़ताल पर थे। हमने देवेंद्र महतो को अपना समर्थन देने का भरोसा दिलाया। झारखंड में हमारी टीम छात्रों के साथ मिलकर काम कर रही है।

हेमंत सरकार का बड़ा फैसला

### 14वीं जेपीएससी पीटी समेत 2023-25 की कई परीक्षाएं होंगी रद्द

झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने 14वीं जेपीएससी पीटी समेत कई परीक्षाएं रद्द करने और अन्य परीक्षाओं की जांच कराने का ऐलान किया है।

**सीएम हेमंत बोले- विपक्ष युवाओं को भटका रहा है-** झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष लगातार छात्र आंदोलन का मुद्दा उठा रहा है। वहीं मंगलवार को सदन की कार्यवाही के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा, 'विपक्ष युवाओं को भटका रहा है। विपक्ष हल्ला करता रहेगा, हम अपना काम करते जाएंगे। सरकार छात्रों के हित में फैसले ले रही है।'

## वंदे मातरम् के जयघोष के साथ हुई एनडीए संसदीय दल की बैठक

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** संसद भवन की लाइब्रेरी बिल्डिंग में एनडीए संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक शुरू हो गई। बैठक की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के जयघोष के साथ हुई। पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन समेत एनडीए के अन्य नेता बैठक में शामिल हुए। वहीं बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की साप्ताहिक बैठक मंगल मिलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और एनडीए के अन्य नेता शामिल हुए। एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान एनडीए सांसदों को पीएम मोदी के साथ तिरंगा लहराते हुए देखा गया। मंगल मिलन बैठक के बाद एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में मार्च निकाला।

**पीएम मोदी की इंस्टाग्राम वीडियो में देशवासियों से अपील, हर घर तिरंगा अभियान में शामिल हों-** पीएम मोदी ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी किया। उन्होंने देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लेने की अपील की।

हिमाचल में अब तक 157 लोगों की मौत, 886 करोड़ का नुकसान

# देश में मानसून का कहर

● मप्र-राजस्थान-उप्र समेत 6 राज्यों में 48 घंटे से लगातार बारिश ● हिमाचल में चलती कार पर पत्थर गिरे, 259 सड़कें बंद, चमोली में बादल फटा, ब्रिज, बीआरओ कर्मचारी और वाहन बहे

**नई दिल्ली/ जयपुर/ देहरादून/ भोपाल/ लखनऊ (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में पिछले 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। उप्र में भी लगातार बारिश जारी थी गंगा-यमुना उफान पर थी।

हिमाचल प्रदेश में मानसून की तबाही दिन-ब-दिन गहराती जा रही है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ ने राज्य में भारी तबाही मचाई है। 30 जून से 9 अगस्त तक की अवधि में राज्य भर में प्राकृतिक आपदाओं और हादसों में अब तक 157 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि राज्य को करीब 886 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। भोपाल में दो दिन से बारिश जारी है। यहां 24 घंटे में 7 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। स्कूलों में दो दिन की छुट्टी कर दी गई। शहर में 1,000 से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया।

राजस्थान के 6 जिलों में बारिश का ऑरेंज और 17 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घंटे में हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़) में 12 इंच तक बारिश हुई।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एनएच-305 पर चलती गाड़ी पर मलबा और चट्टानें गिर गईं। हादसे में गाड़ी सवार दो लोग घायल हो गए, जबकि गाड़ी मलबे के नीचे दब गई। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बीती रात से बारिश हो रही है। इसके चलते राज्य में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत 259 सड़कें, 161 बिजली ट्रांसफॉर्मर और 54 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं।

# संसद में गतिरोध कायम, हंगामे के चलते स्थगित

● संसद परिसर में एनडीए-कांग्रेस सांसद आमने-सामने आए ● भाजपा सांसद ने पूछा- राहुल झारखंड क्यों नहीं गए

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** संसद परिसर में एनडीए और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने मंगलवार को एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनडीए सांसदों ने विपक्ष पर संसद में चर्चा से भागने का आरोप लगाया, जबकि विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने भी आ गए।

प्रियंका गांधी के संसद पहुंचने पर भाजपा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाने लगे। भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने पूछा कि राहुल झारखंड में छात्र प्रदर्शनकारियों से क्यों नहीं मिल रहे हैं। प्रियंका मुस्कुराती हुई उनके पास गईं और कहा- राहुल झारखंड गए हैं और छात्रों से मिल चुके हैं।

लोकसभा और राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। लोकसभा की कार्यवाही पहले 11 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर 2 बजे सदन दोबारा शुरू हुई थी, लेकिन करीब आधे घंटे बाद ही हंगामे के चलते कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई।

### लोकसभा में केरल-नाम परिवर्तन विधेयक, 2026 पारित

संसद के मानसून सत्र के 17वें दिन भी राम मंदिर चढ़ावा चोरी और छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच गतिरोध बना रहा। संसद में विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा में केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पारित हुआ।

**हंगामे के बीच लोकसभा में दो बिल पास-** हंगामे के बीच लोकसभा में दो बिल बिना चर्चा के पास हो गए। इनमें केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) बिल, 2026 शामिल है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल का नाम बदलने वाला बिल पेश किया। नारेबाजी के बीच इसे बिना बहस के ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके तुरंत बाद सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) बिल, 2026 पेश किया। लगातार हंगामे के बीच यह बिल भी बिना बहस के पारित हो गया। लोकसभा अब तक 11 बिल पारित कर चुकी है। इनमें केवल दो बिलों पर बहस हुई है, जबकि बाकी बिल विपक्ष के विरोध के बीच बिना चर्चा के पारित किए गए हैं।

# वाराणसी घूमने आए महाराष्ट्र के कारोबारी की होटल में मौत

दाह संस्कार कर लौटे पत्नी-बेटे ने भी दी जान

**वाराणसी (एजेंसी)।** वाराणसी में घूमने आए महाराष्ट्र के कारोबारी की मौत के बाद उसकी पत्नी और बेटे ने सुसाइड कर लिया। यह परिवार महाराष्ट्र से 7 अगस्त को बनारस पहुंचा था। यहां तीन दिनों तक उन्होंने गंगा स्नान किया और बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर काशी का भ्रमण किया।

इस दौरान 9 अगस्त की देर रात होटल में अचानक से कारोबारी की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। दूसरे दिन परिजनों ने हरिश्चंद्र घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया। इसके बाद मां बेटे होटल लौट आए, जहां दोनों ने सुसाइड कर लिया। बता दें कि, मृतक कारोबारी का नाम विशाल मुखर्जी है जो कि, महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले का रहने वाला था। विशाल पुश्तैनी कारोबार संभालते थे। चार दिन की काशी यात्रा पर इनका पूरा परिवार वाराणसी आया था।

# चारधाम यात्रा : 114 दिनों में दर्शनार्थियों की संख्या 47 लाख पार

## पिछले वर्ष के मुकाबले यात्रियों की संख्या 4.68 लाख अधिक

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :** उत्तराखण्ड में मानसून की बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद चारधाम यात्रा नया रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर है। प्रदेश सरकार श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यात्रा को नियंत्रित और आवश्यकता के अनुसार रोककर संचालित कर रही है, लेकिन तीर्थयात्रियों की आस्था में कोई कमी नहीं आई है। 114 दिनों में ही दर्शनार्थियों की संख्या 47 लाख के पार पहुंच चुकी है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में साढ़े चार लाख से अधिक है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यात्रा को बेहद सतर्कता और निगरानी के साथ संचालित किया जा रहा है। मानसून की सक्रियता को देखते हुए सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद राज्य आपदा कंट्रोल रूम के माध्यम से आपदा प्रबंधन पर नजर रखे हुए हैं। चारों धामों और यात्रा पड़ावों में यात्रियों के



ठहरने, खाने और अन्य सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों की मदद के लिए सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। प्रदेश सरकार के बेहतर आपदा प्रबंधन और इंतजामों के चलते यात्रा नया कीर्तिमान बनाने की ओर बढ़ रही है। इस वर्ष 19 अप्रैल को गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन के साथ चारधाम यात्रा का आगाज हुआ था। सोमवार 10 अगस्त तक इस यात्राकाल के 114 दिनों में कुल 47 लाख 02 हजार 703 श्रद्धालु चारधाम दर्शन कर चुके हैं, जबकि बीते वर्ष 2025 में इतनी ही अवधि में 42 लाख 34 हजार 147 यात्री चारधाम दर्शन को पहुंचे थे। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 04 लाख 68 हजार 556 अधिक है। चारों धामों में अब तक की कुल संख्या की बात करें तो बद्रीनाथ में 16 लाख 12 हजार 112, केदारनाथ में 14 लाख 50 हजार 116, गंगोत्री में 07 लाख 37 हजार 629 और यमुनोत्री धाम में 06 लाख 62 हजार 347 यात्री दर्शन कर चुके हैं। जबकि हेमकुंट साहिब में 02 लाख 40 हजारे 499 श्रद्धालु शीश नवा चुके हैं।

### चारों धामों में एक दिन में पहुंचे 15 हजार से अधिक श्रद्धालु

मौसम लगातार खराब होने और प्रशासनिक अलर्ट के बावजूद सोमवार को 15 हजार 376 श्रद्धालु चारधाम दर्शन को पहुंचे। इनमें सर्वाधिक 9559 यात्री बद्रीनाथ धाम पहुंचे। जबकि केदारनाथ में 4170, गंगोत्री में 1204 और यमुनोत्री धाम में 443 श्रद्धालुओं न दर्शन किए।

### बद्रीनाथ पहुंचे 16.12 लाख से अधिक श्रद्धालु

भगवान बद्रीविशाल के दर्शनों को श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। 23 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा सोमवार 10 अगस्त को 110 दिन की अवधि पूर्ण कर चुकी है। इस दौरान 16 लाख 12 हजार 112 श्रद्धालु बद्रीनाथ धाम में शीश नवा चुके हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 03 लाख 50 हजार 192 अधिक तीर्थयात्री दर्शनों को पहुंच चुके हैं। पिछले वर्ष 04 मई 2025 को बद्रीनाथ यात्रा का श्रीगणेश हुआ था। तब 21 अगस्त यानी 110 दिन में यह आंकड़ा 12 लाख 61 हजार 280 था।

### यात्रियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोचच प्राथमिकता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि चारधाम यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मानसून की सक्रियता को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। जिलाधिकारियों को सतर्क रहने को कहा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्य तत्काल शुरू हो सके। भूस्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की आपदा की स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर ठहराने के निर्देश दिए गए हैं।

## चरस बरामदगी के मामले में देवेंद्र लाल दोषमुक्त

गोपेश्वर। अवैध चरस बरामदगी के मामले में विशेष सत्र न्यायाधीश बिंध्याचल सिंह की अदालत ने आरोपी देवेंद्र लाल को दोषमुक्त कर दिया।मामला 26 सितंबर 2022 का है। अभियोजन के अनुसार जोशीमठ क्षेत्र में पुलिस चेकिंग के दौरान थैंग गांव निवासी देवेंद्र लाल को रोका गया था।

तलाशी के दौरान उसके बैग से 808 ग्राम चरस मिली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की। अदालत ने साक्ष्यों की समीक्षा में पाया कि बरामद माल को मौके पर सील करने और बाद में दोबारा सील किए जाने से संबंधित नमूना सील रिकॉर्ड पर प्रस्तुत नहीं किए गए। कई अन्य सबूतों की समीक्षा में भी दोष साबित नहीं हो सका। इन परिस्थितियों में अदालत ने अभियोजन को संदेह से परे आरोप साबित करने में असफल माना और देवेंद्र लाल को दोषमुक्त कर दिया।

# तमकनाला आपदा पर सीएम धामी की सीधी नजर

## राहत-बचाव से लेकर कनेक्टिविटी बहाली तक हर मोर्चे पर त्वरित कार्रवाई

**जयन्त प्रतिनिधि। चमोली :** चमोली जनपद के ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर तमकनाला में बेली ब्रिज बहने की घटना के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पूरे घटनाक्रम की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मंगलवार को भी मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी चमोली एवं गढ़वाल मंडल आयुक्त से स्थिति की जानकारी लेते हुए राहत-बचाव, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और कनेक्टिविटी बहाली को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में राशन, खाद्य सामग्री, दवाइयों एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों एवं अन्य उपलब्ध माध्यमों से ग्रामीणों तक जरूरी सामग्री पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर आवाजाही को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए सभी संभावित विकल्पों पर तत्काल कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति एवं नुकसान का स्वयं आकलन करने को कहा, ताकि राहत और पुनर्व्यवस्था से



जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। बदलते मौसम और बढ़ते जलप्रवाह को देखते हुए मुख्यमंत्री ने निचले क्षेत्रों तथा नदी-नालों के आसपास विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए और आवश्यकता पड़ने पर लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की पूरी तैयारी रखी जाए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से भी चमोली सहित प्रदेश के सभी संवेदनशील क्षेत्रों पर नजर रखी जा रही है। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव दलों को तत्काल सक्रिय किया जा सके।

सोमवार को चमोली जनपद के ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर तमकनाला में अचानक अत्यधिक जलप्रवाह बढ़ने के कारण 123 बीआरटीएफ, सुराईथोटा द्वारा निर्मित बेली ब्रिज बह गया था। तेज बहाव की चपेट में एक व्यक्ति और एक कैंपर वाहन के बहने की सूचना भी प्राप्त हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और राहत-बचाव कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीमों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। स्थानीय प्रशासन, पुलिस एवं संबंधित विभागों की टीमें भी मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हैं।

### संकट के बीच सरकार का फोकस- सुरक्षा, राहत और कनेक्टिविटी

तमकनाला की घटना के बाद सरकार की प्राथमिकता केवल राहत एवं बचाव कार्यों तक सीमित नहीं है। प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति, वैकल्पिक कनेक्टिविटी और आवाजाही की शीघ्र बहाली पर भी समान रूप से काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की लगातार मॉनिटरिंग और अधिकारियों को ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर त्वरित निर्णय लेने के निर्देश राज्य सरकार की प्रो-एक्टिव आपदा प्रबंधन नीति को दर्शाते हैं।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन समय पर सतर्कता, बेहतर समन्वय और त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई से उनके प्रभाव को कम किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि कठिन परिस्थितियों में प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ प्रभावित क्षेत्रों में जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# सचिव आपदा प्रबंधन ने प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों को भेजा पत्र

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :** जनपद चमोली के ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग स्थित तमकनाला में 10 अगस्त 2026 को अत्यधिक जलप्रवाह एवं बड़ी मात्रा में मलबा आने की घटना को गंभीरता से लेते हुए सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने देश के प्रमुख वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों से घटना का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन कराने का अनुरोध किया है। इस संबंध में वाडिया हिमालयी भू-विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी), भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), उत्तराखण्ड अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (यू-सैक), भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) तथा राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच) के निदेशकों को पत्र भेजा गया है। संबंधित संस्थानों से तमकनाला के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र का अध्ययन कर अचानक बढ़े जल प्रवाह के वास्तविक स्त्रोत की पहचान करने को कहा गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया है कि जल प्रवाह सामान्य वर्षा, अत्यधिक स्थानीय वर्षा, बादल फटने, तीव्र सतही बहाव अथवा किसी अन्य जल वैज्ञानिक कारण से उत्पन्न हुआ। नाले में आए अत्यधिक मलबे के स्त्रोत एवं उत्पत्ति क्षेत्र की पहचान के साथ ऊपरी क्षेत्र में भूस्खलन, भू-धंसाव, ढलान विफलता, चट्टानों के टूटने अथवा अन्य भू-आकृतिक गतिविधियों की भूमिका का भी परीक्षण करने को कहा गया है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग सीमावर्ती क्षेत्र से जुड़ा होने के साथ-साथ स्थानीय जनजीवन, आवागमन एवं सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में घटना के कारणों एवं संभावित भविष्यगत जोखिमों का वैज्ञानिक आकलन महत्वपूर्ण है। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों का उपयोग भविष्य में सीमा क्षेत्र में सड़क, पुल एवं अन्य महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं की योजना, डिजाइन, निगरानी तथा आपदा प्रबंधन रणनीति को और अधिक प्रभावी बनाने में किया जा सकेगा। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास ने संबंधित वैज्ञानिक संस्थानों से अपने-अपने विशेषज्ञता क्षेत्र के अनुसार अध्ययन एवं परीक्षण कर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में प्राप्त वैज्ञानिक निष्कर्षों के आधार पर क्षेत्र में भविष्य के जोखिमों को कम करने एवं निगरानी तथा पूर्व चेतावनी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदमों पर भी विशेषज्ञ सुझाव प्राप्त होंगे।

### भविष्य के जोखिमों का भी होगा आंकलन

संबंधित संस्थानों से क्षेत्र में संभावित भूस्खलन, रॉकफॉल, मलबा प्रवाह, फ्लैश फ्लड अथवा अन्य तीव्र भू-जल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के प्रमाणों का वैज्ञानिक परीक्षण करने को कहा गया है। साथ ही हिमनद, हिमक्षेत्र, स्थायी अथवा अर्ध-स्थायी जल निकायों सहित ऐसे संभावित प्राकृतिक जल स्रोतों का भी अध्ययन करने का अनुरोध किया गया है, जिनसे अचानक जल प्रवाह में वृद्धि की संभावना हो सकती है।

### अर्ली वार्निंग एवं रियल टाइम मॉनिटरिंग पर भी विशेषज्ञ राय

पत्र में ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग के उक्त हिस्से तथा आसपास के महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक स्थलों के लिए संभावित अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक जोखिमों का आकलन करने का अनुरोध किया गया है। साथ ही क्षेत्र में अर्ली वार्निंग सिस्टम, रियल टाइम मॉनिटरिंग, वर्षामापी एवं जलस्तर सेंसर, कैमरा आधारित निगरानी अथवा अन्य आधुनिक निगरानी तंत्र स्थापित किए जाने की आवश्यकता के संबंध में भी विशेषज्ञ राय उपलब्ध कराने को कहा गया है।

# गुलदार की दहशत से सहमे बगोड़ी समेत छह गांवों के लोग

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक के बगोड़ी, नकोट, जसकोट, खमोली, धमाडी, रनकोटी गांव में इन दिनों गुलदार की दहशत बनी हुई है। शाम होते ही गुलदार गांव के आसपास और खेतों में आ धमक रहा है। गुलदार के साथ उसके दो बच्चे भी दिखाई दे रहे हैं। क्षेत्र के लोगों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने और गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है।बगोड़ी गांव में दो दिन पहले गुलदार ने अतुल जोशी के घर पर कुत्ते पर हमला किया। घरवालों ने शोर मचाया तो गुलदार भाग निकला। सोमवार सुबह गुलदार फिर गांव में आ धमका। गांव का युवक राधे जोशी अपने सोलर प्लांट की देखभाल कर रहा था, इसी दौरान गुलदार पीछे दौड़ पड़ा।भागकर उन्होंने किसी तरह से



जान बचाई। ओम प्रकाश जोशी, शशि जोशी, ऋषभ जोशी, पंकज जोशी, मुन्नी देवी, पंकज जोशी ने बताया कि गांव के आसपास पिछले कई दिनों से गुलदार दिखाई देने से बच्चे शाम को खेलने आंगन में नहीं आ रहे हैं। महिलाएं भी चारापत्ती के लिए अकेले खेतों और जंगल जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही हैं। रेंजर सौरभ सिंह ने बताया कि बगोड़ी में गुलदार दिखाई देने की सूचना पर वहां टीम को गश्त करने भेजा गया है।

## एक नजर

### रेलवे परियोजना कार्यालय पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

नरेंद्रनगर (टिहरी)। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना की टनल निर्माण में हैवी ब्लास्टिंग करने से बल्दियानखान गांव के ग्रामीणों के मकान जर्जर स्थिति में पहुंच गए हैं जिससे ग्रामीण पिछले तीन सालों से खासे परेशान हैं। मकानों का मुआवजा और नौकरी देने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने परियोजना कैंप कार्यालय परिसर गूलर में प्रदर्शन कर धरना दिया। उन्होंने कहा कि मांगों पर जल्द कार्यवाही नहीं की जाती है तो कंपनी के खिलाफ बेमियादी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बल्दियाखान गांव के ग्रामीणों के लिए निर्माणाधीन ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना बड़े खतरे का कारण बनती जा रही है। टनल की खोदाई के लिए कंपनी की ओर से हैवी ब्लास्टिंग की जा रही है जिससे ऊपर बसे बल्दियाखान गांव के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। आरवीएनएल के खिलाफ गूलर में प्रदर्शन करते हुए प्रभावितों ने कहा कि टनल का कार्य पिछले तीन साल से चल रहा है।

हर रोज ब्लास्टिंग होने से गांव में 14 परिवारों के मकान पूरी तरह से जर्जर हो गए हैं। आरोप लगाया कि आरवीएनएल मकानों में आई दरारें भरने के लिए छोटी रकम देकर ग्रामीणों को गुमराह कर रहे हैं। प्रभावितों ने जर्जर मकानों का मुआवजा देने, नजदीकी जमीन पर विस्थापित करने और प्रभावित परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की।

### जाखणीधार क्षेत्र पंचायत सदस्य संगठन का ब्लॉक अध्यक्ष बने अंकित

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक मुख्यालय टिपरी में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अधिकार संपन्न बनाने और मानदेय देने सहित अन्य कई समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई गई। बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्य संगठन का गठन करते हुए कंडियाल गांव के क्षेत्र पंचायत सदस्य अंकित कोठियाल को सर्वसम्मत से संगठन का ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया।

ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित क्षेत्र पंचायत सदस्य संगठन की बैठक में सदस्यों की समस्याओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्यों के पास सीमित अधिकार है। जिससे उन्हें जनहित के लिए कार्य करने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्यों की समस्याओं और अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से लड़ने की जरूरत है।

ब्लॉक प्रमुख राजेश नौटियाल और कनिष्ठ प्रमुख कीर्ति सिंह पंवार ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को समस्याओं के निराकरण के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया है। इस मौके पर दयाल सिंह नेगी, गोपाल सिंह, वीर सिंह पंवार, त्रिलोक नेगी, गबर सिंह, विनोद सेमवाल, सावित्री देवी और बलवीर रावत आदि मौजूद थे।

### मेडिकल कॉलेज के लिए संघर्ष समिति ने गांवों में मांगा समर्थन

नई टिहरी। टिहरी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के निर्माण की मांग को लेकर श्रीदेव सुमन पार्क में चल रहा जनजागरण सत्याग्रह 10वें दिन भी जारी रहा। इस बीच मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति ने आंदोलन को व्यापक रूप देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का रुख किया। समिति से जुड़े लोगों ने चंबा के रानीचौरी, बादशाहीथौल पहुंचकर लोगों से आंदोलन को समर्थन देने की अपील की।

श्रीदेव सुमन पार्क में जनजागरण सत्याग्रह पर बैठे पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट को डोबरा और चौपड़ा गांव के ग्रामीणों ने समर्थन दिया। ग्रामीणों ने कहा कि जिला अस्पताल बौराड़ी में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों को उपचार के लिए ऋषिकेश और देहरादून जाना पड़ रहा है।पूर्व जिला पंचायत सदस्य भट्ट ने कहा कि सरकार को क्षेत्र की समस्या और जनभावनाओं को देखते हुए पूर्व प्रस्तावित स्थान पर ही मेडिकल कॉलेज निर्माण की शीघ्र घोषणा करनी चाहिए। इधर, मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष संयुक्त समिति के संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल, सह संयोजक भगवान सिंह राणा ने कहा कि 16 अगस्त को मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर नगर क्षेत्र में रैली निकाली जाएगी।

### रुद्र सेवा संघ ने अस्पताल में बांटे फल

गोपेश्वर। रुद्र सेवा संघ की ओर से जिला अस्पताल गोपेश्वर में मरीजों को फल वितरित किए गए। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने मरीजों का हालचाल भी जाना। संघ की ओर से समय–समय पर बीमार और जरूरतमंद लोगों की सेवा की जाती है। संघ के अध्यक्ष वेदप्रकाश भट्ट महादेव के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने फल बांटे।

# पिथौरागढ़ में जनेश खर्कवाल लापता

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के वड्डा क्षेत्र निवासी 39 वर्षीय जनेश खर्कवाल के अचानक लापता होने से परिवार में चिंता का माहौल है। रविवार से लापता युवक की परिजनों और पुलिस की ओर से तलाश की जा रही थी। इसी बीच सोमवार को घाट पुल के पास जनेश की स्कूटी और कपड़े मिलने के बाद मामला गंभीर हो गया। सामान मिलने के बाद युवक के नदी में गिरने की आशंका जताई जा रही है।

**रविवार से घर से लापता था जनेश**

जानकारी के अनुसार, जनेश खर्कवाल रविवार से अचानक लापता बताए जा रहे हैं। परिजनों ने अपने स्तर से आसपास के क्षेत्रों और संभावित स्थानों पर उनकी तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो पुलिस से संपर्क कर गुमशुदगी दर्ज कराई गई।

गुमशुदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की और उसके आने–जाने वाले संभावित स्थानों के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस की जांच के दौरान घाट पुल क्षेत्र पर भी नजर रखी गई।

**घाट पुल के पास मिली स्कूटी और कपड़े**

सोमवार को घाट पुल के आसपास जनेश की स्कूटी और कपड़े बरामद होने की सूचना मिली। युवक का सामान इस स्थान पर मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घाट नदी और आसपास के क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू कर दिया।

स्कूटी और कपड़े मिलने के कारण आशंका जताई जा रही है कि युवक नदी में गिरा हो सकता है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई पुष्टि नहीं हुई है।

# अस्पताल परिसर में शिवलिंग की स्थापना की गई

जौलीग्रांट।राजकीय आयुर्वेदिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जौलीग्रांट के अस्पताल परिसर में पूजा–अर्चना के बाद शिवलिंग की स्थापना की।

इसमें अस्पताल कर्मियों के अलावा आसपास के क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया। अस्पाताल के चिकित्सा प्रभारी डॉ. हरदेव सिंह रावत ने कहा कि अस्पताल परिसर में कई जड़ी बूटियों के पेड़ मौजूद हैं।

बेलपत्र के पेड़ के नीचे शिवलिंग की स्थापना की गई है। जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। यशवंत चौहान, नागेंद्र महंत, अतुल जोशी आदि मौजूद रहे।

# कांवड़ियों से भिड़ना पड़ा भारी! सेलाकुई बाजार में सरेआम बवाल



देहरादून।कांवड़ यात्रा के बीच सेलाकुई बाजार में पेट्रोल पंप के पास दो युवकों द्वारा कथित तौर पर सरेआम लड़ाई–झगड़ा, शोर–शराबा और कांवड़ियों से अभद्र व्यवहार करने का मामला सामने आया। सूचना मिलते ही सेलाकुई पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को समझाकर शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, समझाने के बावजूद दोनों युवक उग्र बने रहे और सड़क पर हंगामा करते हुए मारपीट पर आमादा हो गए। कांवड़ यात्रा के दौरान भीड़भाड़ वाले बाजार में किसी संज्ञेय घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस ने तत्काल दोनों को काबू में लेकर धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान अखिलेश शुक्ला (21) पुत्र प्रेम किशोर शुक्ला और विमल (20) पुत्र कौशल किशोर के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से ग्राम ढकिया जाट, थाना मितौली, जिला लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और वर्तमान में सहसपुर क्षेत्र में रह रहे हैं।

# ट्रैक्टर–मिक्सर ने छीन ली 18 साल की वैष्णवी की जिंदगी

देहरादून। क्लेमेंटाउन थाना क्षेत्र के चार खंबा चौक के पास रविवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवती की मौत हो गई। वैष्णवी रावत अपनी बड़ी बहन कृतिका रावत के साथ पैदल अपने कमरे की ओर जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आए सीमेंट मिक्सर मशीन लगे ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में वैष्णवी गंभीर रूप से घायल हो गई और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पीछे से आया ट्रैक्टर, चंद पलों में थम गई जिंदगी

पुलिस के अनुसार घटना 9 अगस्त की रात की है। वैष्णवी रावत अपनी बड़ी बहन के साथ पैदल कमरे की ओर जा रही थी। दोनों चार खंबा चौक के पास पहुंची ही थीं कि पीछे से सीमेंट मिक्सर मशीन लगा ट्रैक्टर आया।

आरोप है कि ट्रैक्टर चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए वैष्णवी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वैष्णवी सड़क पर गिर गई और उसका सिर सीमेंट मिक्सर मशीन की चपेट में आने



से गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवती को तत्काल वेलमैड अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

महज 18 वर्ष की उम्र में वैष्णवी की मौत से परिवार में मातम पसर गया। जिस बेटी के भविष्य को लेकर परिवार ने कई सपने संजोए थे, वह एक सड़क हादसे में हमेशा के लिए परिवार से दूर हो गई। बड़ी बहन के साथ कमरे की ओर निकली वैष्णवी का सफर कुछ ही दूरी पर खत्म हो गया। हादसे के बाद परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना ने एक बार फिर भारी वाहनों की तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पिता की तहरीर पर मुकदमा, आरोपी चालक गिरफ्तार

घटना के संबंध में वैष्णवी के पिता प्रदीप सिंह रावत की तहरीर पर क्लेमेंटाउन पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ धारा 106(1) और 281 बीएनएस के तहत कार्रवाई की। मामले की जांच के बाद पुलिस ने 11 अगस्त को आरोपी ट्रैक्टर चालक कैलाश पुत्र रतिराम, निवासी सुंदरपुर, थाना बिहारीगढ़, जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार कर लिया।

**इन पुलिसकर्मियों की रही भूमिका**

आरोपी की गिरफ्तारी और वाहन कब्जे में लेने की कार्रवाई में आशारोड़ी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रवि प्रसाद, हेड कांस्टेबल दीपक कुमार और कांस्टेबल पवन कुमार शामिल रहे। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

# बरसात के मौसम में बीमार हो रहा पेट, अस्पताल में लगी लाइन

कोटद्वार के बेस चिकित्सालय में ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए खड़े मरीज

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** बरसात के मौसम में पेट से संबंधी बीमारियों ने मरीजों की संख्या बढ़ा दी है। हालत यह है कि राजकीय बेस चिकित्साल कोटद्वार में प्रतिदिन सौ से अधिक पेट से संबंधी मरीज पहुंच रहे हैं। जबकि, कुछ निजी अस्पतालों में भी मरीज पेट की बीमारी से पीड़ित होते हैं। लेकिन, इन दिनों पेट की बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या ढाई सौ से तीन सौ तक पहुंच गई है। अधिकांश मरीज पेट से संबंधित समस्या झेल रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार वर्षा काल के दौरान दूषित पानी, अस्वच्छ भोजन और खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन पेट से संबंधत बीमारियों का मुख्य कारण है। ऐसे में मरीजों को पानी उबालकर पीने के साथ ही, ताजा एवं स्वच्छ भोजन करने, खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन न करने की सलाह दी जा रही है। गंदे पानी का सेवन करने से डायरिया के मरीज भी बढ़ रहे हैं। बच्चे व बुजुर्ग सबसे अधिक समस्या से जूझ रहे हैं। उपचार करवा रहे हैं। अधिकांश लोगों को दस्त, उल्टी, पेट दर्द, गैस्ट्रोएंटेराइटिस व फूड प्वाइजनिंग की समस्या हैं। ऐसे में चिकित्सक मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

बेस अस्पताल में सामान्य दिनों में पांच सौ से छः सौ मरीज प्रतिदिन पहुंचते हैं। इनमें से सौ से डेढ़ सौ

## बचाव के उपाय

1. उबला या शुद्ध पानी पिए 2. ताजा और अच्छी तरह पका हुआ भोजन करें 3. खुले में बिकने वाले कटे फल और अस्वच्छ भोजन से बचें 4. भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोए। 3. फलों और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर उपयोग करें। 6. यदि लगातार दस्त, तेज बुखार, खून वाले दस्त हों, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

## आक्रोशित ग्रामीणों ने जल संस्थान कार्यालय का किया घेराव

देवप्रयाग : पट्टी भरपूर की बमाणा ग्राम पंचायत के देवल्ड गांव में पिछले दो हफ्ते से जलापूर्ति ठप होने से गुस्साए ग्रामीणों ने जल संस्थान कार्यालय देवप्रयाग का घेराव किया। उन्होंने प्रदर्शन कर नारेबाजी भी की। समाजसेवी व पूर्व प्रधान रतनसिंह ने कहा कि दो हफ्ते से टूटी पाइप लाइन की सुध नहीं लिए जाने से पूरा देवल्ड गांव भारी पेयजल संकट से जूझ रहा है। बरसात में उगी झाड़ियों के कारण ग्रामीण गुलदार के डर से दूर स्थित स्रोतों से भी पानी नहीं ला पा रहे हैं। वही मवेशियों को बारिश का पानी पिलाना पड़ रहा है।

महिलाओं ने कहा कि उन्हें खाना बनाने तक का पानी नहीं मिल पा रहा है। अधिशासी अभियंता के मौजूद नहीं होने पर नाराजगी जताते ग्रामीणों ने अवर अभियंता अमित रतूड़ी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शीघ्र जलापूर्ति नहीं होने पर जलसंस्थान में धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी गई। रतूड़ी ने देवल्ड गांव में अस्थायी जलापूर्ति के लिए टैंकर लगाने व क्षतिग्रस्त लाइन की तत्काल मरम्मत शुरू किए जाने का आश्वासन दिया।

# बांस के नए अंकुरों को न काटने की अपील

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से लैंसडौन वन प्रभाग की ओर से आमसौड़ स्थित राजकीय हाईस्कूल में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों से बांस के नए अंकुरों को न काटने की अपील की गई। शिविर में उप प्रभागीय वनाधिकारी रजत कपिल ने विद्यार्थियों और ग्रामीणों को हाथियों के व्यवहार, उनके प्राकृतिक आवास के बारे में बताया। कहा कि हाथियों का प्रिय भोजन बांस है। लेकिन, कई लोग बांस के नए अंकुरों को काट देते हैं। यदि इन अंकुरों को बड़ी मात्रा में काटकर मानव उपयोग के लिए ले जाया जाता है, तो हाथियों के प्राकृतिक भोजन की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं, गांव के आसपास भोजन की तलाश में आने वाले हाथियों के साथ लोगों का आमना-सामना होने पर फसलों और जनजीवन को नुकसान का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों और विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे हाथियों के प्राकृतिक भोजन और उनके आवागमन वाले क्षेत्रों से छेड़छाड़ न करें। बांस के नए अंकुरों की अवैध कटाई को रोकने में वन विभाग का सहयोग करें। वन्य जीव प्रेमी राजीव बिष्ट ने विद्यार्थियों ने हाथियों से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे और अपने अनुभव साझा किए। बताया कि हाथियों के संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मानव और वन्यजीवों के बीच बेहतर सह-अस्तित्व के लिए स्थानीय समुदाय की भागीदारी को आवश्यक बताया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों और नई पीढ़ी को यह संदेश देना रहा कि जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय की साझी जिम्मेदारी है। हाथी कॉरिडोर और उनके प्राकृतिक भोजन स्रोतों का संरक्षण कर ही मानव-हाथी संघर्ष को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर डू समथिंग सोसाइटी ने गहरी चिंता जताई है। संस्था का कहना है कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से युवा पीढ़ी सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। इस पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए शासन-प्रशासन को ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

संस्था के अध्यक्ष मयंक प्रकाश कोठारी ने इस संबंध में शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) को ज्ञापन भेजकर विद्यालयों में नशे के खिलाफ व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है। मयंक प्रकाश कोठारी ने कहा कि डू समथिंग सोसाइटी के ध्येय वाक्य ह्रशिक्षा ही नहीं, संस्कार भी चाहिए, नशामुक्त उत्तराखंड चाहिए के तहत संस्था पिछले कई वर्षों से नशे के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चला रही है। इसके तहत विभिन्न विद्यालयों में नशा उन्मूलन को लेकर प्रतियोगिताएं और शपथ कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि संस्था के ध्येय वाक्य को प्रदेशभर के विद्यालयों में प्रचारित और प्रसारित किया जाए। इससे छात्र-छात्राओं में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी और उनमें नशे से दूर रहने की भावना विकसित होगी। उन्होंने शासन-प्रशासन से युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए प्रभावी और दीर्घकालिक कदम उठाने की मांग की।

### लगातार बढ़ती महंगाई पर पूर्व सैनिकों ने जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बैठक में बढ़ती महंगाई पर गहरी चिंता जताई गई। कहा कि महंगाई के चलते आमजन का जीना दूभर होता जा रहा है। खासतौर पर गरीब लोगों को महंगाई की मार झेलना कठिन हो रहा है। कहा कि महंगाई बढ़ने के कारणों को प्रधानमंत्री को अपने मन की बात में भी स्पष्ट करना चाहिए।

अपर कालाबड़ में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में महंगाई आसमान छू रही है। रोजाना दैनिक प्रयोग में आने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। जिसके कारण आम जन महंगाई की मार झेलने के मजबूर हो रहा है, खासतौर पर गरीब लोगों के लिए महंगाई की मार झेलना कठिन हो रहा है, ऐसे हालत में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मन की बात में महंगाई बढ़ने के कारणों को जनता के मध्य स्पष्ट करना चाहिए। इस मौके पर बलवान सिंह रावत, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल, अनूप बिष्ट, संजय असवाल, वीरेंद्र सिंह रावत, दलवीर सिंह नेगी मौजूद रहे।

### चतुर्थ श्रेणी कर्मियों ने किया प्रदर्शन

उत्तरकाशी। चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने मंगलवार को दूसरे दिन काली फीती बांधकर कार्यालय व अस्पताल में लंबित मांगों पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर देहरादून में महानिदेशालय में धरना प्रदर्शन होगा। संघ जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह पडियार ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति लंबे समय से लंबित है। वे आईपीएचएस मानकों के तहत लैब सहायक, ओटी सहायक और डार्क रूम सहायक पदों पर पदोन्नति चाहते हैं। उनका आरोप है कि महानिदेशक स्तर पर तीन समझौते हुए, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पशुपालन विभाग में 297 कर्मचारियों को वैक्सीनेटर पद पर पदोन्नति मिली है, जबकि स्वास्थ्य कर्मचारी संघर्षरत हैं। पदोन्नति से शासन पर वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। इस मौके पर महेंद्र सिंह पडियार, अर्जुन पड़ियार, प्रदीप असवाल, सलीम खान, बिहारी लाल, सुरजन लाल आदि मौजूद रहे।

### मेडिकल कॉलेज के लिए संघर्ष समिति ने गांवों में मांगा समर्थन

नई टिहरी। टिहरी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के निर्माण की मांग को लेकर श्रीदेव सुमन पार्क में चल रहा जनजागरण सत्याग्रह 10वें दिन भी जारी रहा। इस बीच मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति ने आंदोलन को व्यापक रूप देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का रुख किया। समिति से जुड़े लोगों ने चंबा के रानीचौरी, बादशाहीथौल पहुंचकर लोगों से आंदोलन को समर्थन देने की अपील की। श्रीदेव सुमन पार्क में जनजागरण सत्याग्रह पर बैठे पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट को डोबरा और चौपड़ा गांव के ग्रामीणों ने समर्थन दिया। ग्रामीणों ने कहा कि जिला अस्पताल बौराड़ी में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों को उपचार के लिए ऋषिकेश और देहरादून जाना पड़ रहा है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य भट्ट ने कहा कि सरकार को क्षेत्र की समस्या और जनभावनाओं को देखते हुए पूर्व प्रस्तावित स्थान पर ही मेडिकल कॉलेज निर्माण की शीघ्र घोषणा करनी चाहिए। इधर, मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष संयुक्त समिति के संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल, सह संयोजक भगवान सिंह राणा ने कहा कि 16 अगस्त को मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर नगर क्षेत्र में रैली निकाली जाएगी। इस मौके पर हीरा लाल भट्ट, कांतिराम, जमना प्रसाद भट्ट, सुंदर लाल मौजूद थे।

### राजगढ़ी मोटर मार्ग पर भूस्खलन से आवाजाही ठप

बड़कोट। नौगांव-पौंटी-राजगढ़ी मोटर मार्ग पर पौंटी पुल के समीप भूस्खलन होने से मार्ग पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। यहां एक बार फिर भू-धंसाव होने से क्षेत्र के लोगों की परेशानी भी बढ़ गई है। सड़क का बड़ा हिस्सा दलदल में तब्दील होने से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद होने से एमडीएस व पॉलिटेक्निक के वाहनों को लंबी दूरी तय कर नौगांव होकर जाना पड़ रहा है।

# अक्टूबर तक पूरा होगा नए रेलवे स्टेशन का निर्माण, एडीआरएम ने किया निरीक्षण

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : मुरादाबाद मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) पारितोष गौतम ने मंगलवार को कोटद्वार पहुंचकर निर्माणाधीन नए रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण और विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान एडीआरएम ने स्टेशन भवन, प्लेटफार्म, यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया समेत अन्य निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से निर्माण की वर्तमान स्थिति, गुणवत्ता और कार्य पूरा होने की समय सीमा की जानकारी ली। साथ ही निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने और तय समय में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान एडीआरएम ने दूरभाष पर कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण से भी वार्ता की। विधायक ने स्टेशन पर यात्रियों और स्थानीय नागरिकों के लिए प्रस्तावित सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि

कोटद्वर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते अधिकारी

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने स्टेशन परिसर में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने और अन्य यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक नए रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है। निर्माण पूरा होने के बाद स्टेशन के उद्घाटन की तैयारियां शुरू की जाएंगी। नए स्टेशन के संचालन में आने से यात्रियों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं मिलने के साथ ही क्षेत्र में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। निरीक्षण के दौरान जनसंपर्क अधिकारी मनीराम शर्मा, विधायक प्रतिनिधि कमल नेगी, महेश नेगी, राजेंद्र जेजेड़ी सहित वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक महेश यादव, वरिष्ठ मंडल अभियंता (चतुर्थ) करनप्रीत सिंह, उप मुख्य अभियंता रिषभ, स्टेशन अधीक्षक कोटद्वार मनोज रावत और मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक नजीबाबाद राजेंद्र कुमार मीना समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

### 18 अगस्त तक होगें स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में सीयूईटी के आधार पर 18 अगस्त तक प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया संचालित होगी। इसके बाद नॉन डोमेन विषय (किसी खास स्ट्रीम साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स तक सीमित नहीं) में सीयूईटी प्रवेश परीक्षा देने वाले छात्रों के प्रवेश के लिए पंजीकरण पोर्टल खोला जाएगा। इसके बाद भी यदि सीटें रिक्त रहती हैं तो छात्रों को 12वी की मेरिट के आधार पर प्रवेश दिए जाएंगे।

गढ़वाल केंद्रीय विवि के बिड़ला, पौड़ी एवं टिहरी परिसर सहित संबद्ध कॉलेजों में वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। विवि के परिसरों में सीयूईटी प्रवेश परीक्षा में शामिल छात्र बड़ी संख्या में प्रवेश के लिए पहुंच रहे हैं। इसके लिए विवि की ओर से अलग-अलग चरणों में मेरिट लिस्ट जारी कर प्रवेश प्रक्रिया संपन्न कराई जा रही है। विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं का कहना है कि 18 अगस्त तक सीयूईटी की अंतिम मेरिट लिस्ट के आधार पर प्रवेश होंगे। सीयूईटी प्रवेश परीक्षा में बड़ी तादात में ऐसे भी छात्र शामिल हुए हैं, जिन्होंने नॉन डोमेन विषय भरकर प्रवेश परीक्षा दी है। ऐसे छात्रों को भी प्रवेश का मौका मिले इसके लिए 18 अगस्त के बाद इन छात्रों के लिए दो दिन के लिए प्रवेश पोर्टल खोला जाएगा।

# एलयूसीसी पीड़ितों ने की फरार संचालकों की गिरफ्तारी की मांग

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : द लोनी अरबन मल्टी स्टेट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) के पीड़ितों ने कंपनी संचालकों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए उनकी तत्काल गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्क करने की मांग की है। पीड़ितों ने शासन-प्रशासन से उनकी डूबी रकम वापस दिलाने की भी गुहार लगाई। मंगलवार को सुरेश सिंह नेगी के नेतृत्व में एलयूसीसी के पीड़ित तहसील परिसर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शासन-प्रशासन और कंपनी के फरार संचालकों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पीड़ितों ने बताया कि वे अपनी रकम वापस दिलाने की मांग को लेकर पिछले 401 दिनों से तहसील परिसर में धरना दे रहे हैं, लेकिन अब तक शासन-प्रशासन की ओर से उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। पीड़ितों का कहना है कि जब तक कंपनी के फरार संचालकों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने मांग की कि फरार संचालकों की संपत्तियों को तत्काल

मांगों को लेकर तहसील में पहुंचें पीड़ित

कुर्क कर पीड़ितों की डूबी रकम वापस दिलाई जाए। इस दौरान सुनीता रावत, वीना नेगी, नीलम, तरुणा देवी, संदीप रावत और कुलवंत पुंडीर सहित अन्य पीड़ित मौजूद रहे।

### बजट नहीं मिलने से अगलाड नदी पर नहीं बन पा रहा पुल

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक के भीमल की चलोटी-बलयाना से थान की सारी तक स्वीकृत एक किलोमीटर एप्रोच रोड का और अगलाड नदी पर प्रस्तावित मोटर पुल निर्माण शुरू न होने पर लोगों में आक्रोश है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन और लोनिवि से जल्द सड़क का निर्माण शुरू कराने के साथ ही अगलाड नदी पर प्रस्तावित मोटर पुल की वित्तीय स्वीकृति की गुहार लगाई है।

भीमल की चलोटी-बलयाना से थान की सारी तक एक किमी एप्रोच रोड की स्वीकृति बीते मार्च में मिल गई थी। सड़क निर्माण के लिए जिन काश्तकारों की भूमि का अधिग्रहण किया गया था उन्हें लोनिवि की ओर से मुआवजा भुगतान भी दिया जा चुका है। बावजूद सड़क का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है।

### सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे प्रेस मान्यता कार्ड संख्या-114 में मेरा नाम चंद्रेश लखेड़ा दर्ज हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड, स्कूली अभिलेखों, पासपोर्ट, पेन कार्ड, राशन कार्ड में मेरा नाम चंद्रेश कुमार दर्ज है। चंद्रेश लखेड़ा एवं चंद्रेश कुमार एक ही व्यक्ति याने मेरे ही नाम है तथा उक्त नामों के अलग-अलग व्यक्ति नहीं है। भविष्य में मुझे चंद्रेश कुमार के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

**चंद्रेश कुमार पुत्र स्व. बुद्धिराम लखेड़ा निवासी वार्ड नंबर 3, निकट गुरुराम राय स्कूल, लालपानी वल्ली, पोस्ट ऑफिस कुम्भीचौड़, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, पिन कोड 246149।**
**(0582/21)**

# युवा नौकरी ढूंढने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें

**जयन्त प्रतिनिधि।** थलीसैंण : मंगलवार को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद और उच्च शिक्षा विभाग की संयुक्त पहल से संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में एक दिवसीय उद्यमिता अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि युवाओं को रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। विकसित भारत के निर्माण में स्टार्टअप और नवाचार की बड़ी भूमिका है।

इस कार्यक्रम में देवभूमि उद्यमिता योजना की ओर से प्रोजेक्ट ऑफिसर डॉ. देवेंद्र सिंह चौहान ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने युवाओं को अपनी पारंपरिक सोच से बाहर आकर नौकरी तलाशने के बजाय नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने योजना के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इस मौके पर पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए एक परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें सफल विद्यार्थी बूट कैंप में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ. विमल कुकरेती ने विद्यार्थियों को इस योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन योजना के नोडल अधिकारी विकास प्रताप सिंह ने किया।

### सौली कस्बे में भू-धंसाव से बढ़ा खतरा

नौगांव (उत्तरकाशी)। नगर पंचायत के सौली कस्बे में तीन दिन पहले भू-धंसाव से हुए नुकसान का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। बीती रात को हुई बारिश से स्योरी मोटर मार्ग पर फिर से पहले से भी ज्यादा गहरी दरार और गड्ढे बन गए हैं। इससे तीन मकानों में दरारें पड़ गई है। प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से सुरक्षित ठिकाने की मांग की है।

बीते आठ अगस्त को स्योरी मोटर मार्ग पर हुए भू-धंसाव से सौली कस्बे के छह से अधिक मकान खतरे की जद में आ गए थे। वहीं, अब जिन मकानों में हल्की दरारें थी वह अब पहले की अपेक्षा गहरी और चौड़ी हो रही है। साथ ही कुछ नए मकानों में भी दरारें आ गई हैं।

दूसरी ओर स्योरी मोटर मार्ग पर वाहनों की आवाजाही के लिए लोनिवि ने सड़क पर उभरी दरारों को मिट्टी और पत्थरों से भर दिया था।


**उत्तर रेलवे**
**निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

| | | | |
|---|---|---|---|
| Tender No. / Date | 152-DRM-MB-26-27 dt. 11.08.2026 | | |
| Name of work | Raising of existing rail level PF to High level PF and provision of new 3 Mtr wide FOB with ramp at Bisharatganj station under ADEN/CH. | | |
| ender Closing Date | 04.09.2026 | Advertised Value (Rs.) | 350,69,257.24 |
| Earnest Money (Rs.) | 7,01,400.00 | Tender Cost (Rs.) | 00 |
| Bidding Start Date | 21.08.2026 | Period of Completion | 6 Months |

पत्रांक-75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 11.08.2026 2771/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

**उत्तर रेलवे**
**निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

| | |
|---|---|
| टेन्डर संख्या दिनांक | 153-DRM-MB-26-27 Date- 10.08.2026 |
| कार्य का नाम | CTR(P)-15.876 Tkm of looplines & other miscellaneous track activities in the jurisdiction of Sr. DEN/IV/MB. |
| टेन्डर क्लोसिंग दिनांक | 03.09.2026 |
| टेन्डर क्लोसिंग समय | 16:00 |
| अनुमानित लागत | 3,61,71,538.74 |
| धरोहर राशि | 7,23,400.00 |
| कार्य पूर्ण करने की अवधि | 8 माह |
| बिडिंग आरंभ तिथि | 20.08.2026 |

सं. Sr.DEN-IV/Publication/26-27 दिनांक: 10.08.2026 2765/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

**उत्तर रेलवे**
**निविदा सूचना**

वरि. मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

| सं0 | निविदा संख्या और कार्य का विवरण | लगभग लागत रुपये | अग्रिम धन रुपये | निविदा फॉर्म की लागत रु | निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 54RT-ST-Rint-Kmbh-MB25-26 कुंभ मेला 2027 के लिए हरिद्वार और आस-पास के स्टेशनों पर रेलनेट/IPDSLM की व्यवस्था, जिसमें टेलीकॉम केबल बिछाना भी शामिल है। | 19612500.86 | 392300.00 | निल | 03.09.2026 15:00 बजे |

Note:- Complete details of tender can be seen at www.ireps.gov.in
Tender Notice No- 54RT-ST-Rint-Kmbh-MB25-26 Dated: 11.08.2026 2770/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

## संपादकीय

# सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता

उत्तराखंड में सड़कों की मानसून के दौरान हुई बदहाली को लेकर मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश जारी किए हैं और कहा है कि 15 अक्टूबर तक सभी सड़कों को दुरुस्त किया जाए। यहां एक सवाल खड़ा होता है की हाल के वर्षों में बनी सड़क आखिर क्यों एक मानसून की बारिश भी नहीं झेल पाती है? मानसून आते ही देश के अनेक हिस्सों में सड़कों का टूटना, गड्ढों का बनना और मार्गों का धंसना आम समस्या बन जाती है। उत्तराखंड हर मानसून में इस समस्या से जूझता रहता है। हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई सड़कें कुछ ही दिनों की बारिश में क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर सड़कें मानसून में इतनी जल्दी क्यों खराब हो जाती हैं और क्या इसके पीछे निर्माण गुणवत्ता में कमी जिम्मेदार है? सड़क क्षति का सबसे बड़ा कारण जल निकासी व्यवस्था का कमजोर होना है। जब वर्षा का पानी सड़क की सतह पर लंबे समय तक जमा रहता है, तो वह धीरे–धीरे डामर और सड़क की निचली परतों में प्रवेश कर जाता है। इससे सड़क की मजबूती कम हो जाती है और भारी वाहनों के दबाव से गड्ढे बनने लगते हैं। कई मामलों में जलभराव और क्रॉस–ड्रेनेज व्यवस्था की कमी सड़क धंसने तक का कारण बन जाती है लेकिन यहां केवल बारिश को दोष देना उचित नहीं होगा। कई बार निर्माण कार्य में गुणवत्ता संबंधी कमियां भी सामने आती हैं। यदि निर्माण सामग्री मानकों के अनुरूप न हो, डामर की मोटाई पर्याप्त न रखी जाए या निर्माण के दौरान तकनीकी नियमों की अनदेखी की जाए, तो सड़कें पहली ही बारिश में कमजोर पड़ जाती हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जहां नई बनी सड़कें और पुल कुछ दिनों की बारिश में ही उखड़ने लगे, जिससे निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े हुए। पहाड़ी राज्यों, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है। यहां लगातार वर्षा, भूस्खलन, पहाड़ों से गिरते पत्थर और तेज जलधाराएं सड़कों को नुकसान पहुंचाती हैं। कई बार सड़क के नीचे की मिट्टी बह जाने से पूरी सड़क ध्वस्त हो जाती है।बढ़ते शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन ने भी समस्या को गंभीर बनाया है। पहले जहां बारिश का पानी जमीन में समा जाता था, वहीं अब कंक्रीट और सीमेंट के विस्तार के कारण पानी तेजी से सड़कों और नालियों में पहुंचता है। यदि नालियां जाम हों या उनकी क्षमता कम हो, तो जलभराव निश्चित है और इसका सीधा असर सड़कों की आयु पर पड़ता है। समाधान केवल नई सड़कें बनाने में नहीं, बल्कि बेहतर योजना, मजबूत जल निकासी व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री और नियमित रखरखाव में छिपा है। निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और दोषपूर्ण कार्यों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही मानसून से पहले सड़कों और नालियों का निरीक्षण तथा मरम्मत अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। मानसून में सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के पीछे केवल प्रकृति नहीं, बल्कि कई बार मानवीय लापरवाही, कमजोर जल निकासी और निर्माण गुणवत्ता की कमियां भी जिम्मेदार होती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम किया जाए तो सड़कें अधिक टिकाऊ बन सकती हैं और जनता को हर वर्ष होने वाली परेशानी से राहत मिल सकती है।

# भ्रष्टाचार और पूंजीवाद के खिलाफ वैश्विक जंग?

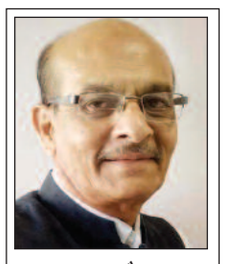

सनत जैन

दुनिया के अधिकांश देशों में अब पूंजीवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान शुरू हो गया है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा बढ़ती हुई महंगाई के बाद दुनिया के देशों में पूंजीवाद और बाजारवाद के खिलाफ युवा सड़कों पर आकर अपना विरोध दर्ज कराने लगे हैं। चीन जैसे देश में हर दिन 2700 से ज्यादा भ्रष्ट अधिकारी पकड़े जा रहे हैं। चीन जैसे देश में पिछले तीन दशक में तेजी के साथ भ्रष्टाचार बढ़ा है। चीन में 2012 से लेकर अभी तक 70 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनके ऊपर मुकदमें चलाए गए हैं। भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को पकड़ने के लिए चीन की सरकार ने जासूस नियुक्त किए हैं। जो भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के बारे में जानकारी देते हैं। ऐसे जासूसों को चीन की सरकार प्रति जानकारी 100 युआन का भुगतान कर रही है। जो भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों, कर्मचारियों के बारे में जानकारी देते हैं। निजी तौर पर भ्रष्ट अधिकारियों के बारे में सूचना देने वालों की संख्या चीन में बढ़ती चली जा रही है। सरकार सख्ती के साथ भ्रष्टाचारियों से निपट रही है। चीन में बड़े-बड़े अधिकारी रिश्वत मामलों में पकड़े जा रहे हैं, उनसे भारी संपत्ति बरामद की जा रही है।

भारत में भी भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। भारत में कई एजेंसियों को भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने की जिम्मेदारी दी गई है। भारत में राजनीतिक संरक्षण के कारण भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर उतनी सख्ती के साथ अभी कार्यवाही नहीं हो रही है। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार पर कोई नियंत्रण नहीं है। सरकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही करने के लिए सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है। जो आसानी से नहीं मिलती है। न्यायालयों में कई वर्षों तक भ्रष्टाचार के प्रकरण चलते रहते हैं। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए भारत में अन्ना आंदोलन हुआ था। उसके बाद लोकपाल संस्था का गठन हुआ। कई वर्षों तक इसमें नियुक्ति नहीं हुई। लोकपाल के पद पर सुप्रीम कोर्ट के निवृतमान न्यायाधीश नियुक्त किये गये हैं। इस संस्था ने अभी तक भ्रष्टचार की जाँच में कोई रूचि नहीं ली है। जो शिकायतें जाती हैं, वह ठंडे बस्ते में डाल दी जाती है। लोकपाल का संरक्षण भ्रष्टाचारियों को मिल रहा है? वहीं चीन ने भ्रष्टाचार के मामले में कड़ी कार्यवाही कर के बढ़त ले ली है। जिस तरह से दुनिया के देशों में महंगाई बेतहाशा बढ़ती चली जा रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां और बाजारबाद के कारण महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं हो पा रहा हैं। सरकारें बहु राष्ट्रीय कंपनियों के हिसाब से नियम और कानून बना रही हैं। इससे अब जनता के बीच में नाराजी बढ़ने लगी है। 100 से अधिक देशों में महंगाई और पूंजीवाद के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के इस दौर में वैश्विक स्तर पर परिवर्तन बड़ी तेजी के साथ देखने को मिल रहे हैं। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी बिना रिश्वत लिए कोई काम नहीं करते हैं। इससे सीधे आम जनता प्रभावित हो रही है। अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरने लगे हैं। भारत में जिस तरह से जेन-जी आंदोलित है। शिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी और न्यायिक व्यवस्था में बढ़ रहे भ्रष्टाचार के विरोध में युवा पीढ़ी सड़कों पर उतरकर मुखर हो रही है। भारत में विरोध प्रदर्शन का सिलसिला पिछले कुछ वर्षों से थम गया था। पिछले दो-तीन महीनों में अब विरोध का सिलसिला बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ है। हर जगह विरोध प्रदर्शन की बाढ़ आ गई है। लोग मुखर होकर अपनी बात कह रहे हैं। जनता भी अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर दबाव बनना शुरू हो गया है। भारत जैसे देश में अब लोग न्यायपालिका के बारे में भी खुलकर बोलने लगे हैं।

# युवा भारत की धड़कन में सपने, सवाल और बदलाव की पुकार

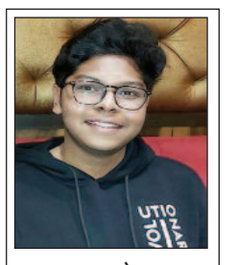

अतुल गोयल

युवा आकांक्षाओं को आवाज, अवसर और सम्मान देने का समय...

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा शक्ति होती है। युवा केवल देश का वर्तमान नहीं बल्कि उसके भविष्य की दिशा तय करने वाली वह ऊर्जा हैं, जिनके सपनों, सवालों, नवाचारों और निर्णयों से आने वाले समाज की तस्वीर बनती है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को 'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाता है। इसका उद्देश्य युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाना, उनकी आवाज को नीति-निर्माण तक पहुंचाना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा पर्यावरणीय विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। पहला अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था, जिसकी अवधारणा 1991 में वियना में आयोजित विश्व युवा मंच के दौरान सामने आई थी और 1998 के लिस्बन सम्मेलन में 12 अगस्त को युवा दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की गई थी। दिसंबर 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 54/120 के माध्यम से इसे औपचारिक मान्यता दी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम है 'विभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएं', जो आज के वैश्विक युवा परिदृश्य को अत्यंत सटीक ढ़ंग से अभिव्यक्त करती है। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाजों और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग हों लेकिन उनकी मूल आकांक्षाएं आश्चर्यजनक रूप से समान हैं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, आर्थिक सुरक्षा, समान अवसर, बेहतर स्वास्थ्य, निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी और ऐसा भविष्य, जिसमें उनकी प्रतिभा तथा परिश्रम का उचित मूल्य मिले। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, युवा चाहे छोटे द्वीपीय देशों में रहते हों, विकासशील देशों में या अपेक्षाकृत समृद्ध समाजों में, उनकी साझा आकांक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरिमापूर्ण कार्य, निर्णयों में अपनी आवाज और बेहतर भविष्य की चाह प्रमुख है। भारत के संदर्भ में यह थीम और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की जनसंख्या संरचना में युवाओं की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'यूथ इन इंडिया 2022' रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 27.2 प्रतिशत थी और यह संख्या लगभग 34.5 करोड़ थी। रिपोर्ट इसे भारत के लिए 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' अर्थात जनसांख्यिकीय लाभांश की महत्वपूर्ण खिड़की मानती है लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल और समावेशी विकास की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

भारत ने युवाओं की क्षमता को दिशा देने के लिए राष्ट्रीय युवा नीति, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्किल इंडिया, फिट इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा सिद्ध की है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि करोड़ों युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार की राह अभी भी असमान, अनिश्चित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। डिग्री बढ़ रही है लेकिन उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर हर युवा तक नहीं पहुंच रहे। सरकारी नौकरी की कुछ हजार सीटों के लिए लाखों आवेदन और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आने वाली अनियमितताओं ने युवाओं की बेचैनी को बढ़ाया है। यही बेचैनी हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिखाई दी। 2026 में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट से जुड़े कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर युवाओं का आंदोलन धीरे-धीरे एक व्यापक शिक्षा-सुधार आंदोलन में बदलता गया। मई में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुई यह आवाज जून-जुलाई में जंतर-मंतर तक पहुंची और बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक तथा नौकरी की तैयारी कर रहे युवा वहां जुटे। इस आंदोलन का महत्व केवल किसी एक परीक्षा की अनियमितता तक सीमित नहीं था। जंतर-मंतर पर पहुंचे युवाओं की शिकायतों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पेपर लीक, परीक्षा परिणामों में देरी, शिक्षा की बढ़ती लागत, सरकारी और निजी शिक्षा के बीच अंतर, रोजगार की चिंता और भविष्य की अनिश्चितता जैसे अनेक सवाल शामिल थे।

जंतर-मंतर की गूंज अब झारखंड में भी सुनाई दे रही है। वहां जेपीएससी और जेएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर बड़ी संख्या में युवा और अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे हैं। 10 अगस्त 2026 को रांची में विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया तथा पुलिस ने आंसू गैस, पानी की बौछार और लाठी का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्षता, कथित अनियमितताओं की जांच और जवाबदेही शामिल है। झारखंड का आंदोलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां युवाओं की समस्या केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। सरकारी रोजगार के सीमित अवसर, आर्थिक पिछड़ापन, प्रतियोगी परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह युवाओं में गहरी निराशा पैदा कर सकते हैं। जब किसी युवा के लिए सरकारी नौकरी आर्थिक और सामाजिक स्थिरता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है, तब परीक्षा में कथित गड़बड़ी उसके लिए केवल परीक्षा की समस्या नहीं बल्कि उसके पूरे भविष्य पर प्रश्नचिह्न बन जाती है। हालिया घटनाओं ने इसी बेचैनी को सार्वजनिक रूप दिया है।

इन आंदोलनों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना युवाओं की मूल पीड़ा को समझने में बाधक होगा। युवाओं के आक्रोश में राजनीतिक स्वर भले जुड़ जाएं लेकिन उसकी मूल जमीन अक्सर बहुत साधारण होती है, निष्पक्ष परीक्षा, समय पर परिणाम, पारदर्शी भर्ती, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक रोजगार। आज युवा केवल नौकरी मांगने वाली पीढ़ी नहीं है। वह रोजगार पैदा करने वाली पीढ़ी भी है। स्टार्टअप से लेकर सामाजिक उद्यमिता, डिजिटल सेवाओं से लेकर ग्रामीण नवाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर हरित तकनीक तक युवा नए समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक आंदोलनों में भी युवाओं की सक्रिय भूमिका रही है। संयुक्त राष्ट्र भी युवाओं को जलवायु कार्रवाई, सामाजिक उद्यम, डिजिटल समाधान और सामुदायिक विकास के महत्वपूर्ण वाहक के रूप में रेखांकित करता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल युवाओं को रोजगार देने की नहीं बल्कि उनके भीतर मौजूद क्षमता को सही अवसर देने की है। शिक्षा व्यवस्था को डिग्री-केंद्रित होने के बजाय कौशल, शोध, रचनात्मकता और रोजगार-उन्मुख बनाना होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में तकनीक के बेहतर इस्तेमाल, सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रणाली, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और समयबद्ध परिणामों को प्राथमिकता देनी होगी। सरकारी नौकरियों पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए निजी क्षेत्र, एमएसएमई, स्टार्टअप, ग्रामीण उद्यमिता और गिग तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था में गुणवत्तापूर्ण अवसर बढ़ाने होंगे। साथ ही युवाओं की मानसिक भलाई, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और नागरिक भागीदारी को भी विकास की मुख्यधारा में स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युवाओं को केवल ह्यभविष्य के नागरिकह्ण कहकर उनकी वर्तमान आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे आज के नागरिक हैं और आज की नीतियों का सीधा प्रभाव उनके जीवन पर पड़ता है। इसलिए नीति-निर्माण में युवाओं की भागीदारी औपचारिक सलाह तक सीमित न रहकर वास्तविक निर्णय-प्रक्रिया का हिस्सा बननी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र भी युवाओं को केवल नीतियों के लाभार्थी नहीं बल्कि विकास और लोकतांत्रिक शासन के सक्रिय भागीदार के रूप में देखने पर जोर देता है। जंतर-मंतर और झारखंड की सड़कों से उठती युवाओं की आवाज को केवल विरोध की आवाज नहीं समझना चाहिए, यह उस पीढ़ी की आकांक्षा है, जो अपने भविष्य को लेकर गंभीर है। वह कह रही है कि उसे मुफ्त वादे नहीं, निष्पक्ष अवसर चाहिए; केवल भाषण नहीं, पारदर्शी व्यवस्था चाहिए; केवल आश्वासन नहीं, परिणाम चाहिए। अलग-अलग राज्यों, भाषाओं, वर्गों और सामाजिक परिस्थितियों में रहने के बावजूद युवाओं की यह साझा मांग है कि उनके सपनों के साथ व्यवस्था भी ईमानदार हो। आज आवश्यकता युवाओं को शांत कराने की नहीं, उन्हें सुनने की है; उनकी आवाज दबाने की नहीं, उसे नीति में बदलने की है; उनके आक्रोश को अपराध मानने की नहीं, उसके कारणों को समझने की है।

# भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

ललित गर्ग

**भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है।**

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच

विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे।

विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं ह्यवादे वादे जायते तत्त्वबोधःह्ण की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मर्यादा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है।

यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मयार्दा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है।

नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक-सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है। इसलिए मोहन भागवत की बात को केवल जेन-जी आंदोलन के संदर्भ में देखने की बजाय उसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के व्यापक संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें आएंगी-जाएंगी, राजनीतिक दल बदलेंगे, आंदोलनों के स्वरूप बदलेंगे, लेकिन लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता नहीं बदलेगी, जनता को सुनना होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### अमेरिका में गोलीबारी की वारदातों से दहशत: शिकागो में तीन लोगों की मौत, नॉर्थ कैरोलिना में एक परिवार पर टूटा कह

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका के शिकागो में सप्ताहांत में हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। सीबीएस शिकागो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह 8:22 बजे तक शहर में कुल आठ गोलीबारी की घटनाएं हुईं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इन घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई और नौ अन्य घायल हुए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। इसके अलावा, शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय व्यक्ति के सिर में गोली लगी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इन गोलीबारी की घटनाओं में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, 7 अप्रैल तक समाप्त हुए 12 महीनों के दौरान शिकागो में बंदूक हिंसा के 1,878 पीड़ित दर्ज किए गए, जिनमें से 356 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के कैसवेल काउंटी में एक ग्रामीण इलाके में स्थित घर में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने दी। पुलिस को बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) 8 बजे से ठीक पहले घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने की हालत में पाया। नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि गोली लगने से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कई अन्य लोगों की मौत हो चुकी थी।

### पानी भरे गड्ढे में गिरा मजदूर

तुलसीनगर, रसूलाबाद कस्बा के तुलसीनगर में मंगलवार दोपहर को निर्माणाधीन मकान में काम कर रहा मजदूर तालाब किनारे पानी भरे गड्ढे में गिर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व फायर बिग्रेड ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से बाहर निकाला। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजन ने मकान मालिक व साथी मजदूरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

तुलसी नगर निवासी कन्हैया (19) पुत्र शिवलखन मजदूरी कर परिवार के भरण पोषण में सहयोग करता था। मंगलवार सुबह वह अपने वार्ड में ही बड़े तालाब के पास एक निर्माणाधीन मकान में मजदूरी करने के लिए गया था। दोपहर 12 बजे के करीब वह मकान से कुछ दूरी पर तालाब के किनारे मौजूद पानी भरे गड्ढे में डूब गया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद वार्ड के कमल सिंह ने बताया कि दोपहर में मकान में काम करवा रहे मालिक व मिस्त्री ने कन्हैया को गड्ढे से पानी की बाल्टी भरकर लाने के लिए भेजा था। बाल्टी भरने के दौरान कन्हैया अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गया।

### अमेरिकी हमले में मिनाब के स्कूल में मारे गए थे 120 बच्चे, शिक्षिका का दर्द छलका

**तेहरान/मिनाब, एजेंसी।** अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जंग के पहले दिन शजरेह तय्यबेह प्राथमिक स्कूल अमेरिकी टोमाहाक मिसाइल का निशाना बना था। तबाही के निशान आज भी ताजा हैं, स्कूल की जगह मलबे का ढेर नजर आता है। इस हमले में 120 बच्चों समेत 156 बेकसूर लोग मारे गए थे। इस घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। द गार्जियन ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट ने जंग के बाद बदले ईरान के हालात के बारे में बताया। मिनाब में तबाही के इस मंजर के बीच जब राहत कर्मी मलबे को हटा रहे थे, तो उन्हें कंक्रीट के टुकड़ों के बीच आठ साल की माह्या सलारी की एक कॉपी मिली, जिसके पन्ने अभी भी सुरक्षित थे। माह्या अपने छोटे भाई अली के साथ स्कूल में थी और हमले से ठीक पहले उनकी मां उन्हें लेने आई थीं। इस हमले में तीनों की मौत हो गई थी। शहर की दीवारों और दुकानों पर अब मृत बच्चों की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगी हैं, जो नागरिकों की पीड़ा का प्रतीक बन चुकी हैं। अमाइनेह नदीमी इस स्कूल में छह साल तक पहली कक्षा के बच्चों को पढ़ाया करती थीं। अमाइनेह ने बताया कि हमले के बाद उन्होंने अपने माता-पिता को नंगे पांव इमारत की तरफ दौड़ते देखा। वह बताती हैं, एकबारगी तो मुझे यही लगा कि हर कोई बाहर निकल गया है। लेकिन बाद में समझ आया कि वे सब मलबे के नीचे थे। मिनाब के कब्रिस्तान का नजारा भावुक कर देने वाला है। हमले में मारे गए बच्चों की छोटी-छोटी कब्रों की पंक्तियों के बीच से गुजरते लोगों के चेहरे पर जंग का दर्द उभर आता है।

# ट्रंप ने साझा किया हिलेरी का लेख: गाजा प्लान का समर्थन क्यों कर रहीं पूर्व विदेश मंत्री नेतन्याहू ने क्या कहा



**वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का एक लेख साझा किया। यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। इसमें क्लिंटन ने ट्रंप की गाजा शांति योजना का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि गाजा में जारी संकट से निपटने के लिए कोई दूसरा ढांचा मौजूद नहीं है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित हिलेरी क्लिंटन के लेख के कुछ अंश साझा किए। इसमें लिखा था- दुनिया को ट्रंप की गाजा योजना पसंद नहीं आ सकती, लेकिन इसका कोई विकल्प नहीं है। अगर मैं भी , जो राष्ट्रपति की सख्त विरोधी रही हूं, इसे सबसे बेहतर विकल्प के तौर पर स्वीकार कर सकती हूं, तो निश्चित रूप से दूसरे लोग भी ऐसा कर सकते हैं। क्लिंटन का यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। यह ट्रंप के उन दावों से पहले आया था, जिनमें उन्होंने एक समझौते के अंतिम रूप लेने की बात कही थी। ट्रंप ने सितंबर 2025 में अपनी 20 सूत्री शांति योजना जारी की थी, जबकि 15 सूत्री गाजा शांति योजना इस साल जुलाई में पेश की गई थी। हिलेरी क्लिंटन ने क्या कहा था क्लिंटन ने कहा था कि गाजा शांति योजना को लेकर चिंताओं के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसके साथ आगे बढ़ना चाहिए। उनके मुताबिक, यह एकमात्र उपलब्ध ढांचा (फ्रेमवर्क) है, जिसमें संबंधित पक्षों को योजना लागू करने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। क्लिंटन ने लिखा था- पर्दे के पीछे कोई दूसरा ढांचा तैयार नहीं है। कोई दूसरा गठबंधन चुपचाप इससे बेहतर प्रस्ताव तैयार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि 20 सूत्री योजना ही ऐसा एकमात्र ढांचा है, जिसे पर्याप्त प्रभाव, राजनीतिक भागीदारी और संभावित संसाधनों का समर्थन हासिल है। ट्रंप ने क्या एलान किया था इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि गाजा में हमास और दूसरे सशस्त्र समूहों को 'पूरी तरह से निरस्त्र' करने और इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ इस्राइली सैन्य बलों की चरणबद्ध वापसी को लेकर एक समझौता हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई के घटनाक्रम को शांति और सुरक्षा की दिशा में एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया था। उन्होंने कहा था कि यह समझौता कई चरणों में लागू किया जाएगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा था- यह समझौता सावधानी से तय किए गए चरणों में लागू किया जाएगा। जैसे-जैसे निरस्त्रीकरण पूरा होगा, इस्राइली सेना पीछे हटेगी और अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल एक नई फलस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा, ताकि वहां के निवासियों और उसके पड़ोसियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आगे कहा, यह समझौता गाजा के लिए उनकी 20 सूत्री योजना को लागू करने की दिशा में एक बड़ा पड़ाव है। उन्होंने कहा कि अंत में इस क्षेत्र का प्रशासन एक 'नई फलस्तीनी सरकार' करेगी, जो फलस्तीनी लोगों की मदद के लिए बने शांति बोर्ड के साथ मिलकर काम करेगी। नेतन्याहू ने खारिज किया ट्रंप का प्लान हालांकि, रविवार को इस्राइल ने ट्रंप की 15 सूत्री गाजा शांति योजना को खारिज कर दिया। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जब तक हमास को 'वास्तव में' निरस्त्र नहीं किया जाता, तब तक इस्राइल गाजा से अपनी सेना नहीं हटाएगा। इस्राइली मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल 15 सूत्री दस्तावेज को खारिज करता है। वह जुलाई के आखिर में हमास के समर्थन वाले प्रस्ताव की बात कर रहे थे। कैबिनेट की बैठक में नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइली सेना तब तक कोई वापसी नहीं करेगी, जब तक हमास को वास्तव में निरस्त्र नहीं किया जाता। शांति योजना को छोड़ने के लिए फिर से कैबिनेट में वोट कराने की मांग कर रहे दक्षिणपंथी गठबंधन के सहयोगी नेतन्याहू पर दबाव बना रहे हैं। इसी बीच, नेतन्याहू ने कहा कि इस मुद्दे पर इस्राइल की वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, नेतन्याहू फिलहाल कड़े चुनावी मुकाबले में हैं। नेतन्याहू ने कहा, उनके पास कुछ विचार हैं। उनमें से कुछ हमें स्वीकार्य हैं और कुछ नहीं हैं। हम जानते हैं कि इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पर मजबूती से कैसे कायम रहना है।

**ट्रंप की 15 सूत्री योजना में क्या है :** ट्रंप की 15 सूत्री योजना में गाजा संघर्ष को खत्म करने, सशस्त्र गुटों को निरस्त्र करने, इस्राइली सैनिकों को वापस बुलाने और गाजा के प्रशासन को एक फलस्तीनी तकनीकी निकाय को सौंपने की चरणबद्ध रणनीति बताई गई है। इस निकाय का नाम 'गाजा प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति' है। योजना के तहत भारी हथियार, हथियारों के भंडार, सैन्य ठिकाने और सुरंगें इस समिति के नियंत्रण में रखी जाएंगी। वहीं, इस्राइली सैनिकों और फलस्तीनी प्रशासन वाले इलाकों को अलग रखने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल तैनात किया जाएगा।

## बच्चे ने नहीं बांधी सीट बेल्ट तो 24 घंटे देरी से उड़ी उड़ान, विमान से उतारने में इतना समय क्यों लगा

**ओटावा, एजेंसी।** कनाडा में एक बच्चे के सीट बेल्ट लगाने से इनकार करने की वजह से पोर्टर एयरलाइंस की उड़ान को टेकऑफ से ठीक पहले रोकना पड़ा। उड़ान संख्या पीडी4444 छह अगस्त को विक्टोरिया इंटरनेशनल एयरपोर्ट से टोरंटो के लिए रवाना होने वाली थी। विमान रनवे की ओर बढ़ रहा था, तभी चालक दल ने देखा कि एक बच्चा सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए है। सुरक्षा नियमों के तहत बच्चे को सीट बेल्ट लगाना जरूरी था। माता-पिता और चालक दल ने बच्चे को सीट बेल्ट बांधने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद विमान को असुरक्षित स्थिति में उड़ाने के बजाय वापस टर्मिनल लाने का फैसला किया गया।

बच्चे और माता-पिता को विमान से उतारने में इतना समय क्यों लगा विमान को गेट पर वापस लाने के बाद बच्चे और उसके माता-पिता को विमान से उतारने की प्रक्रिया शुरू हुई। उनके सामान को निकालने और जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने में समय लगा। इस दौरान काफी देर हो चुकी थी। एयरपोर्ट का रनवे रात 12:30 बजे बंद हो जाता है। ऐसे में विमान के पास उसी रात टोरंटो के लिए उड़ान भरने का समय नहीं बचा। इसके बाद पूरी उड़ान को अगले दिन के लिए टालना पड़ा। एयरलाइन ने उड़ान को सात अगस्त की रात 10:49 बजे के लिए फिर से निर्धारित किया। विमान शनिवार सुबह टोरंटो पहुंचा। इस तरह यात्रियों को करीब 24 घंटे की देरी झेलनी पड़ी।

क्या एयरलाइन बच्चे और उसके माता-पिता को उतारकर बाकी यात्रियों को ले जा सकती थी घटना के बाद यह सवाल भी उठा कि क्या एयरलाइन बच्चे और उसके माता-पिता को विमान से उतारकर बाकी यात्रियों के साथ उड़ान जारी रख सकती थी। हालांकि, विमान को वापस गेट पर लाने, यात्रियों को उतारने, बच्चे और उसके माता-पिता के सामान को अलग करने तथा जरूरी प्रक्रिया पूरी करने में इतना समय निकल गया कि रनवे बंद होने की समयसीमा आ गई। एयरलाइन के अनुसार असुरक्षित स्थिति में विमान को उड़ाना संभव नहीं था। इसलिए सभी यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा और उड़ान को अगले दिन के लिए पुनर्निर्धारित करना पड़ा। घटना से प्रभावित यात्रियों को देरी के लिए कोई मुआवजा मिला या नहीं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सीट बेल्ट को लेकर माता-पिता की जिम्मेदारी पर सवाल क्यों उठे घटना के बाद सोशल मीडिया पर माता-पिता की भूमिका को लेकर बहस शुरू हो गई। कुछ यात्रियों और सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाया कि अगर बच्चा सीट बेल्ट लगाने से इनकार कर रहा था।

## काश पटेल अक्तूबर में जाएंगे रूस, क्या एफबीआई प्रमुख कोई बड़ा लेन-देन करने जा रहे

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** एफबीआई निदेशक काश पटेल अक्तूबर के मध्य में रूस की यात्रा करने की तैयारी में हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटेल 14 और 15 अक्तूबर को मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जाएंगे। यह यात्रा ऐसे समय प्रस्तावित है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख का रूस जाना इसलिए भी असामान्य माना जा रहा है, क्योंकि दोनों देशों के संबंध लंबे समय से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। यात्रा की आधिकारिक एजेंडा संबंधी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि पटेल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन या क्रेमलिन के किसी वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात करेंगे या नहीं। पटेल की यात्रा के दौरान रूस की प्रमुख सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मेजबानी करने की संभावना बताई गई है। एफएसबी रूस की प्रमुख सुरक्षा संरचना है, जिसे सोवियत दौर की केजीबी का उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि, अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पटेल एफएसबी के अधिकारियों के अलावा किन लोगों से मुलाकात करेंगे। उनके दौरे का आधिकारिक एजेंडा भी सार्वजनिक नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों से जुड़ी जानकारी में 14-15 अक्तूबर की तारीख और मॉस्को के बाद सेंट पीटर्सबर्ग जाने की योजना की पुष्टि की गई है। ऐसे में यात्रा के सुरक्षा, खुफिया सहयोग और दोनों देशों के बीच संवेदनशील मुद्दों से जुड़े होने की संभावना पर नजर रहेगी। पटेल की संभावित यात्रा पर रूस के एक राज्य समर्थित प्रकाशन ने सवाल उठाया कि अगर एफबीआई निदेशक रूस से किसी तरह की मदद चाहते हैं तो अमेरिका की तरफ से बदले में क्या पेशकश हो सकती है। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के आर्बातोव इंस्टीट्यूट से जुड़े व्लादिमीर वासिलिएव ने कहा कि रूस के पास अमेरिकी डेमोक्रेट्स से जुड़ी कथित जानकारी हो सकती है और उसे किसी रूप में अमेरिका के साथ साझा किया जा सकता है।

## जर्मनी में भारतीय छात्र गिरफ्तार, अमेरिका के एरिजोना में प्रेमिका की हत्या का आरोप



**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के एरिजोना में अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोपी भारतीय छात्र को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हत्या के बाद अमेरिका से भारत भागने की कोशिश कर रहा था। वह जर्मनी पहुंचा, लेकिन वहां से आगे की उड़ान लेने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 20 वर्षीय वरुण बाचिगरी एरिजोना विश्वविद्यालय में बिजनेस एनालिटिक्स का छात्र था। उस पर 19 वर्षीय जुलिसा रूबी सालाजार की हत्या का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त को टक्सन स्थित एक अपार्टमेंट में सालाजार की हत्या की गई थी।

टक्सन पुलिस विभाग के अनुसार, हत्या के बाद बाचिगरी टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। उसने जर्मनी की उड़ान पकड़ी थी और वहां से भारत जाने की योजना थी। इसी बीच जांचकर्ताओं ने उसके खिलाफ पहले दर्जे की हत्या और अपहरण के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। टक्सन पुलिस, एफबीआई के टक्सन कार्यालय और बर्लिन स्थित एफबीआई लीगल अटैचे कार्यालय के बीच समन्वय के बाद जर्मनी में उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, जर्मनी पहुंचते ही बाचिगरी को हिरासत में ले लिया गया और वह आगे भारत के लिए यात्रा नहीं कर सका। जांच में पुलिस को पता चला कि हत्या के बाद आरोपी ने कथित तौर पर सालाजार का मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड अपने पास रख लिए थे। इसके बाद उसने सालाजार की मां को कई मैसेज भेजे। पुलिस का आरोप है कि उसने सालाजार बनकर ये संदेश भेजे, ताकि परिवार को लगे कि वह जीवित है और हत्या की जानकारी छिपाई जा सके। इन संदेशों से सालाजार के परिवार को संदेह हुआ। परिवार की चिंता के बाद पुलिस ने उसके अपार्टमेंट में जाकर हालचाल जानने के लिए जांच की। वहां अधिकारियों को सालाजार का शव मिला। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 6 अगस्त की शाम करीब चार बजे टक्सन फायर डिपार्टमेंट को अपार्टमेंट में कार्डियक अरेस्ट की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंची टीम ने सालाजार को फर्श पर मृत पाया। उसके शरीर पर एक कंबल गर्दन तक खींचा हुआ था। फायर विभाग के कर्मचारियों ने उसके गले पर गला दबाने के निशान और खरोंचें देखीं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। गिरफ्तारी वारंट में आरोपी के खिलाफ पहले के हिंसक व्यवहार से जुड़े आरोपों का भी उल्लेख है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, बाचिगरी के खिलाफ पहले यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना पुलिस विभाग ने एक मारपीट के मामले की जांच की थी।

## होर्मुज खुला तो परमाणु समझौते से पीछे हटेगा यूएस: ईरान संघर्ष से निकलने को बेताब ट्रंप, तैयार है एग्जिट प्लान



**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ जारी सैन्य टकराव से निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। संघर्ष को खत्म करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोल देता है तो अमेरिकी प्रशासन परमाणु मुद्दे को अलग रखकर जीत की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप पिछले कुछ हफ्तों से इस नतीजे की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अपने वरिष्ठ सहयोगियों से निजी तौर पर कहा है कि वह तेहरान के साथ औपचारिक परमाणु समझौता किए बिना भी पीछे हट सकते हैं। हालांकि, इस फैसले के लिए सम्मानजनक रास्ता निकालना मुश्किल हो गया है।

ईरान ने महत्वपूर्ण जलमार्ग से आवाजाही बहाल करने के बदले कई बड़ी मांगें रखी हैं। इनमें अरबों डॉलर का भुगतान, अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की पूरी वापसी और अन्य बड़ी रियायतें शामिल हैं। इन मांगों से अमेरिका के कूटनीतिक विकल्प सीमित हो गए हैं। इससे यह चिंता भी बढ़ी है कि ईरान जल्द समझौते के बजाय लंबे समय तक टकराव के लिए तैयारी कर रहा है। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं के जरिए इस संकरे समुद्री मार्ग से होने वाले यातायात को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई है। इससे वैश्विक वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही धीमी हुई है और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है। हाल के हफ्तों में ट्रंप बार-बार दावा करते रहे हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला है। हालांकि, ये दावे सिर्फ दावे ही साबित हुए हैं। फरवरी में संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग को बंद कर दिया था। उसका कहना था कि अमेरिकी युद्धपोतों और सहयोगी देशों के जहाजों को यहां से गुजरने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर टोल लगाने की भी कोशिश की। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि वॉशिंगटन ने ईरान की होर्मुज में पाबंदियों और टोल लगाने की किसी भी कोशिश को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। सप्ताहांत में संयुक्त अरब अमीरात की ओर से यह घोषणा किए जाने के बाद कूटनीतिक समाधान की उम्मीद और कमजोर हुई कि ईरान ने उसके एक जहाज पर मिसाइल हमला किया है। इसी दौरान ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बघेर जुलघदर ने जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए कई शर्तें रखीं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, जुलघदर ने कहा कि अमेरिका को युद्ध स्थायी रूप से खत्म करना होगा, अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटानी होगी और अमेरिकी सैन्य बलों को क्षेत्र से वापस बुलाना होगा। इसके अलावा सभी प्रतिबंध हटाने, ईरान की जमी हुई वित्तीय संपत्तियां जारी करने और युद्ध क्षतिपूर्ति का भुगतान करने की भी मांग की गई।

## ईरान की सत्ता में बड़ा फेरबदल: पूर्व आईआरजीसी प्रमुख को मिली अहम जिम्मेदारी; युद्ध के बीच क्यों बदली रणनीति



**तेहरान, एजेंसी।** ईरान ने अपने सुरक्षा तंत्र में बड़ा बदलाव किया है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने पूर्व इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी प्रमुख मोहसेन रजाई को सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। रजाई ने मोहम्मद बाकिर जुलघद्र की जगह ली है। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब ईरान अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी संघर्ष, सैन्य दबाव और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। रजाई के पास सैन्य और सुरक्षा मामलों का लंबा अनुभव है।

**रजाई के पास कितना सैन्य और सुरक्षा अनुभव है :** मोहसेन रजाई ईरान के आईआरजीसी के पूर्व प्रमुख रहे हैं। उन्होंने 1980 के दशक में हुए ईरान-इराक युद्ध में सैन्य कमांडर के तौर पर भी भूमिका निभाई थी। ईरान में उस युद्ध को 'पवित्र रक्षा' के नाम से जाना जाता है। रजाई फिलहाल एक्सपीडिएंसी डिसर्नमेंट काउंसिल के सदस्य भी हैं। यह संस्था संसद और गार्जियन काउंसिल के बीच मतभेदों को सुलझाने का काम करती है। उनकी नियुक्ति ऐसे व्यक्ति को सुरक्षा परिषद में लाती है, जिसके पास सैन्य और राजनीतिक दोनों क्षेत्रों का अनुभव है। मोहसेन रजाई से पहले सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि की जिम्मेदारी मोहम्मद बाकिर जुलघद्र के पास थी। अब उन्हें मोजतबा खामेनेई ने अपना राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया है। नियुक्ति आदेश में उनके अनुभव और कार्यों की सराहना की गई है। इससे साफ है कि जुलघद्र को पूरी तरह व्यवस्था से बाहर नहीं किया गया है, बल्कि उन्हें दूसरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इससे ईरान के शीर्ष नेतृत्व में सुरक्षा और राजनीतिक मामलों की जिम्मेदारियों में बदलाव दिखाई देता है। ईरानी सरकारी प्रसारक के मुताबिक, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मुलाकात की। बैठक में देश के सैन्य और आर्थिक मामलों पर चर्चा हुई। इसमें आम लोगों की जरूरतें, अमेरिका-इस्राइल के साथ जारी युद्ध की स्थिति, सैन्य घटनाक्रम और भविष्य की रणनीति शामिल रही। इसके अलावा ईरानी मुद्रा रियाल, विदेशी मुद्रा, ऊर्जा खर्च और संसाधनों के प्रबंधन पर भी बातचीत हुई। विदेशी देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। मोजतबा खामेनेई की सेहत और सार्वजनिक मौजूदगी को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। इनपुट के अनुसार, इस्राइली मीडिया में उनके बेहद गंभीर हालत में होने की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने एक पुराना वीडियो जारी किया, जिसमें मोजतबा खामेनेई स्वस्थ दिखाई दे रहे थे। उनके सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने के कारण उनकी स्थिति को लेकर अटकलें जारी रही हैं। इसी बीच राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ उनकी बैठक की जानकारी सामने आना ईरान के मौजूदा नेतृत्व और सत्ता तंत्र के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

## ट्रंप ने बदला कानूनी पहरेदार: कौन हैं विल शार्फ जिन्हें मिली व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी किसकी लेंगे जगह



**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस के मौजूदा स्टाफ सेक्रेटरी विल शार्फ 1 सितंबर से नए व्हाइट हाउस काउंसल और राष्ट्रपति के असिस्टेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह डेविड वॉरिंगटन की जगह लेंगे, जो ट्रंप प्रशासन से विदा लेकर प्राइवेट सेक्टर में जा रहे हैं। शार्फ ने ट्रंप प्रशासन में अपनी मौजूदा भूमिका के अलावा नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन के चेयरमैन के तौर पर भी काम किया है। इसी दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

**ट्रंप ने शार्फ को लेकर क्या कहा :** ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस नियुक्ति का एलान किया। उन्होंने कहा कि 1 सितंबर से विल शार्फ राष्ट्रपति के असिस्टेंट और व्हाइट हाउस काउंसल का पद संभालेंगे। ट्रंप ने डेविड वॉरिंगटन के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर और उससे पहले उनके राष्ट्रपति अभियान के लिए शानदार काम किया है। ट्रंप ने शार्फ की मौजूदा भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस स्टाफ सेक्रेटरी के तौर पर 'बहुत बढ़िया काम' किया है। उन्होंने शार्फ को व्यक्तिगत रूप से जानने की बात भी कही और उनके कानूनी अनुभव को रेखांकित किया। ट्रंप ने लिखा, 'विल मजबूत, ताकतवर और स्मार्ट हैं। उन्हें हमारे देश से प्यार है और वे कानून का सम्मान करते हैं। विल शार्फ व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर बहुत अच्छा काम करेंगे।'

**शार्फ के पास कैसा कानूनी अनुभव है :** ट्रंप के मुताबिक, विल शार्फ पहले कई मामलों में उनका प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट से जुड़े मामले भी शामिल हैं। ट्रंप ने विशेष रूप से बाइडन प्रशासन के दौरान सरकारी एजेंसियों के कथित भ्रष्टाचार और उनके 'वेपनाइज़ेशन' यानी सरकारी एजेंसियों के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामलों का उल्लेख किया। शार्फ पहले फेडरल प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने प्राइवेट प्रैक्टिस में अटॉर्नी के रूप में भी काम किया है। वह दो फेडरल अपील्स कोर्ट के जजों के लिए क्लर्क की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

**व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी क्या होती है :** व्हाइट हाउस काउंसल राष्ट्रपति को उनके पद से जुड़े कानूनी और नीतिगत मामलों में सलाह देता है। यह कार्यालय व्हाइट हाउस और जस्टिस डिपार्टमेंट के बीच प्रमुख संपर्क बिंदु के रूप में भी काम करता है। काउंसल का कार्यालय राष्ट्रपति की ओर से दी जाने वाली माफ़ियों, न्यायिक नियुक्तियों और कानूनों की समीक्षा जैसे मामलों में भूमिका निभाता है। इसके अलावा, प्रशासन के खिलाफ कांग्रेस की ओर से होने वाली जांच और राष्ट्रपति के आधिकारिक पद पर रहते हुए उनके खिलाफ दायर मुकदमों से जुड़े मामलों के प्रबंधन में भी यह कार्यालय मदद करता है।

**यह बदलाव राजनीतिक रूप से अहम क्यों है :** व्हाइट हाउस काउंसल के पद पर यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। नवंबर में होने वाले इन चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस में अपना नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करेगी। वहीं, डेमोक्रेट्स पहले ही संकेत दे चुके हैं कि अगर वे चुनाव में सफल रहते हैं, तो वे ट्रंप और उनके प्रशासन की व्यापक जांच करेंगे। ऐसे में व्हाइट हाउस के शीर्ष कानूनी सलाहकार के तौर पर शार्फ़ की भूमिका आने वाले महीनों में महत्वपूर्ण हो सकती है।

**नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन से शार्फ़ का क्या संबंध रहा है :** ट्रंप ने जुलाई 2025 में विल शार्फ़ को नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन का चेयरमैन नियुक्त किया था। एग्जीक्यूटिव ब्रांच की एक एजेंसी है, जिसके पास वॉशिंगटन क्षेत्र में सरकारी इमारतों के निर्माण और बड़े नवीनीकरण से जुड़े मामलों में अधिकार हैं। शार्फ के नेतृत्व के दौरान ट्रंप प्रशासन के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्ट को अप्रैल से अंतिम मंजूरी मिली थी। यह प्रोजेक्ट व्हाइट हाउस परिसर के ईस्ट विंग से जुड़े हिस्से में बनाया जा रहा है और इसका निर्माण पहले ही तेजी से आगे बढ़ चुका है।

**ट्रंप के बॉलरूम प्रोजेक्ट पर अदालत ने क्या फैसला दिया :** बॉलरूम प्रोजेक्ट को लेकर कानूनी विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। शुक्रवार को एक बंटे हुए फेडरल अपील्स कोर्ट ने फैसला सुनाया कि इस प्रोजेक्ट का निर्माण रोका जाना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस ने इसके लिए मंजूरी नहीं दी थी। इस फैसले के बाद ट्रंप ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की बात कही है।

# ज्योतिष में है भविष्य

**पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।**

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

**आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।**

# इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

**प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।**

# योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

## रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठयक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

# फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

# तमक नाले में ह्यूम पाइप डालकर अस्थाई मोटर मार्ग बनाने का कार्य तेजी से जारी

**जयन्त प्रतिनिधि। चमोली :** नीती घाटी में भारी बारिश के कारण तमक नाला उफान पर आने से वैली ब्रिज बहने के बाद बाधित हुई वाहनों की आवाजाही को शीघ्र सुचारु करने के लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा मार्ग बहाली के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन एवं मशीनरी मौके पर उपलब्ध कराई जा रही है। मौसम एवं नाले के जलस्तर की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा मानकों का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। तमक नाले में ह्यूम पाइप डालकर अस्थाई मोटर मार्ग तैयार करने का कार्य तेजी से गतिमान है। मौके पर तैनात संबंधित विभागों की टीमें लगातार कार्य कर रही हैं। प्रशासन का प्रयास है कि अस्थाई मार्ग का निर्माण जल्द पूरा कर वाहनों की

आवाजाही को यथाशीघ्र सुचारु किया जा सके। जिला प्रशासन द्वारा मौके की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों द्वारा मौके पर मौजूद टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं तथा मार्ग बहाली के कार्य में संबंधित विभागों एवं सुरक्षा एजेंसियों का समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा मार्ग बहाली के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन एवं मशीनरी मौके पर उपलब्ध कराई जा रही है। मौसम एवं नाले के जलस्तर की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा मानकों का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिला प्रशासन ने स्थानीय लोगों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि मार्ग बहाली का कार्य पूरा होने तक प्रभावित क्षेत्र में अनावश्यक आवागमन न करें। मौके पर तैनात प्रशासन, सुरक्षा एवं संबंधित विभागों की टीमों द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का पालन करें और कार्य में सहयोग प्रदान करें। नीती घाटी में भारी बारिश के कारण तमक नाला उफान पर आने से वैली ब्रिज बहने के बाद बाधित हुई वाहनों की आवाजाही को शीघ्र सुचारु करने के लिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है।

# पुत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष में रोपे समलौण पौधे

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : जनपद पौड़ी गढ़वाल की जिला पंचायत उपाध्यक्ष आरती नेगी एवं पूर्व निदेशक डीसीबी कोटद्वार नरेन्द्र सिंह नेगी ने पुत्री अनिध्या के जन्मदिवस के उपलक्ष में रुद्राक्ष एवं जामुन के समलौण पौधें का रोपण कर जन्मदिवस को यादगार बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी रिसोर्ट के कर्मचारियों ने ली। शिवरात्रि के शुभ अवसर पर रिसोर्ट में एक सूक्ष्म कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर समलौण आंदोलन के सलाहकार जगमोहन डांगी ने कहा कि जीवन के हर संस्कारों में समलौण पौधा रोपण एक भावनात्मक आंदोलन है, जो कि एक रीति रिवाज एवं परंपरा बन चुकी है और पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए एक अनोखी पहल है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से वनों का संरक्षण करने एवं हर संस्कारों के अवसर पर समलैण पौधा रोपण करने की अपील की। जिला पंचायत उपाध्यक्ष आरती नेगी ने कहा कि पौड़ी गढ़वाल में विगत कई वर्षों से राठ क्षेत्र की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समलैण के संस्थापक शिक्षक बीरेंद्र दत्त गोदियाल सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल आज एक जन आंदोलन बन चुकी है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अजय रावत, सामाजिक कार्यकर्ता संजय डुकलाण, रिसोर्ट के प्रवन्धक गौरव असवाल आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### नव प्रवेशी विद्यार्थियों को दी शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी

गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में स्नातक में नव प्रवेशी बीएससी, बीकॉम और बीबीए के छात्र–छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पहले दिन विद्यार्थियों को महाविद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर व शैक्षिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। अखिल भारतीय शिक्षा समागम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम की संरचना व उपयोगिता पर विशेष फोकस किया गया। प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल ने महाविद्यालय विद्या का केंद्र होने के साथ सर्वांगीण विकास का भी अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. जगमोहन सिंह नेगी ने महाविद्यालय का इंफ्रास्ट्रक्चर व विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधा के बारे में बताया। डॉ. प्रियंका उनियाल ने विज्ञान वर्ग, डॉ. अनुराग शर्मा ने कॉमर्स व इरम अंसारी ने बीबीए पाठ्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। कॉलेज की खेल गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एनसीसी, एनएसएस, रोवर रंजर्स, नमामि गंगे, यूथ रेडक्रास आदि के बारे में भी बताया गया। इस दौरान डॉ. बलदेव राम, डॉ. हरेंद्र मोहन, डॉ. हर्षी खंडूड़ी, डॉ. डीएन जोशी, डॉ. राजेश, डॉ. दिगपाल, डॉ. अभय, डॉ. रुपेश, डॉ. जोगेंद्र आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. प्रेमलता ने किया।

### पुल तैयार करने के लिए निर्माण सामग्री पहुंचाना शुरू

गोपेश्वर। बैली ब्रिज टूटने के बाद सीमांत क्षेत्र के कई गांवों का सड़क संपर्क कट गया है। मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, प्रशासन, बीआरओ और सुरक्षा एजेंसियों की टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। बीआरओ ने क्षतिग्रस्त पुल को जल्द तैयार करने के लिए निर्माण सामग्री मौके पर पहुंचाना शुरू कर दिया है।भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह बर्त्वाल और दायित्वधारी हरेंद्र सिंह नेगी ने तमक पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सड़क और पुल को शीघ्र बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीआरओ, सेना, पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें लगातार कार्य में जुटी हैं। वहीं जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि तमक नाले के उफान पर आने के कारणों का पता आपदा प्रबंधन और मौसम विभाग की अध्ययन रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा।

### अखंड रामायण पाठ का समापन

पोखरी (चमोली)। लोनिवि कार्यालय परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में दो दिवसीय अखंड रामायण पाठ का मंगलवार को विधिवत समापन हो गया। समापन पर भंडारे का आयोजन कर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। कर्मचारी संगठनों और व्यापारियों के संयुक्त सहयोग से इस अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। इसमें नगर क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर रामायण की चौपाइयां सुनीं। भक्तों ने भगवान श्रीराम और हनुमान जी से क्षेत्र की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, बृजमोहन सिंह रावत, रणजीत सिंह, हीरा सिंह, विष्णु प्रसाद चमोला, रमेश चौधरी और संदीप असवाल आदि उपस्थित रहे।

### भालू ने युवक पर किया हमला, गंभीर घायल

ज्योतिर्मठ। गांधीनगर वार्ड में सोमवार रात भालू ने एक युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया। परिजनों ने गंभीर रूप से घायल युवक अजय लाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ज्योतिर्मठ में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार अजय लाल सोमवार रात करीब डेढ़ बजे अपने कमरे से बाहर आया था। इसी दौरान आंगन में मौजूद भालू ने उस पर हमला कर दिया। अजय के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो भालू जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जोशीमठ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अतुल सती ने बताया कि मोहल्ले के लोगों के अनुसार भालू अपने बच्चों के साथ आसपास ही मौजूद है। उन्होंने वन विभाग से भालू को क्षेत्र से खदेड़ने और प्रभावित परिवार को तत्काल मुआवजा देने की मांग की।

# सरल, सुगम और सुरक्षित यात्रा सर्वोच्च प्राथमिकता : हेमंत द्विवेदी

### अब तक बदरीनाथ-केदारनाथ धामों में 30.62 लाख श्रद्धालु कर चुके दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि तीर्थयात्रियों को सरल, सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित दर्शन उपलब्ध कराना मंदिर समिति की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मानसून के बावजूद उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा सुचारू रूप से संचालित हो रही है। श्री बदरीनाथ एवं श्री केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की आस्था लगातार बनी हुई है। 10 अगस्त 2026 तक दोनों धामों में 30 लाख 62 हजार 228 से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इनमें श्री बदरीनाथ धाम में अब तक 16,12,112 तथा श्री केदारनाथ धाम में 14,50,116 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए मंदिर परिसरों, पैदल मार्गों, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं तथा यात्री विश्राम गृहों में व्यवस्था को मजबूत किया गया है। यात्रा व्यवस्था में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है। साथ ही मंदिर परिसरों की व्यवस्थाओं को पारदर्शी बनाने पर विशेष ध्यान

दिया जा रहा है। यात्रा को सुचारू बनाए रखने के लिए स्थानीय हक-हकूक धारियों, तीर्थ पुरोहितों, प्रशासन एवं संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि चारधाम यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि सनातन आस्था, विश्वास और परंपरा का प्रतीक है। मंदिर समिति का संकल्प है कि श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय हक-हकूक धारियों एवं तीर्थ पुरोहितों के हितों का भी समुचित ध्यान रखा जाए और

### द्वितीय चरण की यात्रा के लिए तैयारियां शुरू

बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि मानसून के बाद शुरू होने वाली यात्रा के द्वितीय चरण के लिए तैयारियां भी प्रारंभ कर दी हैं। इसका उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और यात्रा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है।

यात्रा व्यवस्था को लगातार बेहतर बनाया जाए। उन्होंने बताया कि तीर्थ पुरोहितों एवं संबंधित हितधारकों के कल्याण के लिए तीर्थ पुरोहित कल्याण कोष बनाया गया है। वहीं, श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में बाजीगर ढोलवादकों से सम्मान पूर्वक वार्ता कर उनका धरना समाप्त कराया गया है। बीकेटीसी अध्यक्ष ने बताया कि श्री ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ के कोठा भवन के जीर्णोद्धार का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही श्री तुंगनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। श्री त्रियुगीनारायण मंदिर को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कार्य गतिमान है। इन कार्यों का उद्देश्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

# विज्ञान मेले में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

**जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण :** मंगलवार को सरस्वती विद्या मन्दिर हाई स्कूल थलीसैंण में छात्रों के सर्वांगीण विकास की श्रृंखला में विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। मेले में विद्यार्थियों ने कई वैज्ञानिक मॉडल बनाकर न केवल अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, बल्कि दर्शकों की अपने माडलों के माध्यम से विज्ञान के प्रति जागरूक भी किया।

विज्ञान मेले का शुभारंभ मुख्य अथिति डॉ. सुधीर रावत (भौतिक विज्ञान) डिग्री कॉलेज थलीसैंण व विशिष्ट अथिति समाजिक कार्यकर्ता आशाराम पोखरियाल, कुलदीप रावत (डिग्री कॉलेज थलीसैंण), चन्दन जीना (डिग्री कॉलेज थलीसैंण) विद्यालय की कोषाध्यक्षा श्रीमती गीता बिष्ट, विनीता नेगी ने माँ सरस्वती के चित्र के समीप दीप प्रज्जवलित कर किया।

तत्पश्चात छात्राओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। मेले में छात्रों ने विज्ञान मॉडल, विज्ञान प्रश्न मंच, पत्र वाचन, आशु भाषण आदि प्रस्तुत किये। जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की। इस दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए डा. सुधीर रावत ने कहा कि अन्य देशों की तुलना में भारत में अभी भी तकनीकी का अभाव है। इस

प्रकार के कार्यक्रमों से छात्रों में तकनीकी शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ता है। विशिष्ट अथिति विनीता नेगी ने विज्ञान के साथ-साथ अपनी संस्कृति को भी बढ़ावा देने को कहा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से जहा विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा विकसित होती है, वहीं आम जन में भी विज्ञान के प्रति रूचि जागृत होती है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अखिलेश शुक्ला सहित विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# दो मिनट के सैलाब ने मचाई तबाही

चमोली। तमक नाले में जिस सैलाब में बैली ब्रिज बहा वह सिर्फ दो मिनट का था लेकिन नाले में ढलान होने के कारण पानी का वेग इतना अधिक था कि पुल घास के तिनके की तरह उछल गया। सोमवार को यह नाला तीन बार उफान पर आया और दूसरे उफान में ही बैली ब्रिज बह गया। वहीं जेसीबी ऑपरेटर ने संयम बरतकर खुद को बचाया।

तमक नाले में अक्सर पानी कुछ मिनट के लिए आता है लेकिन उसका वेग इतना अधिक होता है कि आसपास सबकुछ बहा ले जाता है। सोमवार दोपहर के समय जब नाला उफान पर आया, उस वक्त पानी पुल तक तो पहुंचा लेकिन पुल सुरक्षित रहा।

इस दौरान भारी मलबा नदी की तलहटी पर जमा हो गया जिससे नदी का स्तर उठ गया। पुल पर आए मिट्टी व पत्थरों को हटाकर आवाजाही सुचारू करवा दी गई लेकिन शाम करीब चार बजे फिर नाला उफान पर आया जिसमें पुल के साथ एक छोटा मालवाहक वाहन बह गया।

इसी दौरान एक जेसीबी भी नदी किनारे कुछ काम कर रही थी। जेसीबी भी पानी के सैलाब में बहने लगी लेकिन जेसीबी ऑपरेटर जोगेंद्र सिंह ने संयम का परिचय दिया और खुद को सैलाब में बहने से बचा लिया। जोगेंद्र ने बताया कि जब अचानक पानी बढ़ गया तो मेरे मन में यही विचार आया कि यदि नीचे उतरता हूं तो पानी में बह जाऊंगा।

# रूद्रप्रयाग जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य तेजी से जारी

**आमजन की सुविधा का रखें विशेष ध्यान, न्यूनतम आवश्यक दस्तावेजों के माध्यम से करें नोटिसों का निस्तारण**

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) का कार्य तेजी से संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल मिश्रा द्वारा पुनरीक्षण कार्य की निरंतर समीक्षा की जा रही है। इस क्रम में समय-समय पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ई.आर.ओ.), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ए.ई.आर.ओ.), बूथ लेवल अधिकारियों (बी.एल.ओ.) सहित संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया लोकतंत्र की आधारभूत व्यवस्था है, इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित किया जाए। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण पूरी सावधानी एवं गंभीरता के साथ किया जाए, ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने कहा कि जनपद रुद्रप्रयाग का अधिकांश भूभाग पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में है तथा वर्तमान में मानसून का मौसम भी चल रहा है। ऐसे में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिन मामलों में मतदाता के नाम, पता अथवा अन्य विवरण में माइनर करेक्शन किया जाना है तथा नागरिक दूरस्थ क्षेत्रों में रहते हैं, उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऐसे मामलों में जहां नियमों के तहत ऑनलाइन माध्यम से दस्तावेज प्राप्त करना संभव हो, वहां व्हाट्सऐप अथवा अन्य उपलब्ध ऑनलाइन माध्यमों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए जा सकते हैं।

# डिजिटल यूथ फेस्टिवल में युवाओं का शानदार प्रदर्शन, डीएम ने किया सम्मानित

**जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग :** डिजिटल यूथ फेस्टिवल-2026 के तहत आयोजित 'सूर्य नमस्कार चैलेंज' में जनपद रुद्रप्रयाग के युवाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रेरणा तिवारी ने द्वितीय, योगेश ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं देहरादून के साहिल सिंह खत्री ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मंगलवार को जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जिला कार्यालय में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि के चेक वितरित कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी ने कहा कि डिजिटल यूथ फेस्टिवल युवाओं को फिटनेस, खेल, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को व्यापक मंच प्रदान करने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने युवाओं से आगामी चैलेंज में भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने का आह्वान किया। डिजिटल यूथ फेस्टिवल-2026 के तहत आगामी सप्ताहों में पुश-अप/स्क्वाट, स्किपिंग/प्लैंक, फिटनेस फिनाले, युवा फोटोग्राफी सहित विभिन्न फिटनेस एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

# निर्माण कार्य के कारण किसी भी व्यक्ति की आजीविका प्रभावित न हो : चौधरी

**जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग :** जनपद रुद्रप्रयाग में राष्ट्रीय राजमार्ग-107 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-109) पर बेलनी में पुराने स्टील सेतु के स्थान पर प्रस्तावित 85.68 मीटर लंबे नए मोटर सेतु के निर्माण को लेकर मंगलवार को जिला कार्यालय सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने की। बैठक में सेतु निर्माण से प्रभावित होने वाले भवन स्वामियों, स्थानीय व्यापारियों एवं अन्य संबंधित लोगों की समस्याओं एवं सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बेलनी सेतु का निर्माण क्षेत्र की दीर्घकालिक यातायात एवं कनेक्टिविटी आवश्यकताओं को देखते हुए महत्वपूर्ण परियोजना है। नए सेतु के निर्माण से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ ही स्थानीय लोगों एवं यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के

कारण किसी भी व्यक्ति की आजीविका प्रभावित न हो, इसके लिए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। बैठक में बताया गया कि वार्षिक योजना 2025-26 के अंतर्गत एनएच-107 (पुराना एनएच-109) के किमी. 1.00 बेलनी में 60 वर्ष पुराने स्टील सेतु के स्थान पर एप्रोच सहित 85.68 मीटर स्पैन के नए सेतु का निर्माण प्रस्तावित है। प्रस्तावित सेतु की लंबाई 85.68 मीटर है तथा यह पुराने सेतु के अपस्ट्रीम साइड में निर्मित किया जाएगा। कार्य के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्य की स्वीकृत लागत लगभग 33.05 करोड़ रुपये है। कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के विकास एवं चारधाम यात्रा के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने की दृष्टि से नए सेतु का निर्माण महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्माण कार्य के दौरान प्रभावित होने वाले लोगों एवं स्थानीय व्यापारियों के हितों का भी पूरा ध्यान रखा जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित व्यक्तियों को नियमानुसार मुआवजा एवं पुनर्स्थापना की कार्रवाई पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित की जाए तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

## यशपाल शर्मा

# वर्ल्ड कप 1983 के नायक, जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम इंडिया को संभाला था

**नई दिल्ली ।** वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम के अहम सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने कठिन परिस्थितियों में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। 11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा अपने मजबूत डिफेंस से किसी भी अटैक को बेअसर करने में माहिर थे। 1977-78 में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की तरफ से खेलते हुए उन्होंने साउथ जोन के खिलाफ 173 रन की पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई। अगले सीजन में यशपाल ने पाकिस्तान का दौरा किया, लेकिन टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। हालांकि, कुछ वक्त बाद टीम में आखिरकार मौका मिल ही गया। करीब दो दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर में यशपाल ने 160 मैच खेले, जिसमें 44.88 की औसत के साथ 8,933 रन बनाए। इस दौरान 21 शतक और 46 अर्धशतक शामिल रहे। यशपाल ने फर्स्ट क्लास करियर में 201 रन की नाबाद पारी भी खेली है। साल 1978 से 1985 के बीच यशपाल ने भारत के लिए 37 टेस्ट और 42 वनडे मैच खेलते हुए मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी। इस दौरान उनके बल्ले से टेस्ट फॉर्मेट में 33.45 की औसत के साथ 1,606 रन निकले, जिसमें 2

शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे फॉर्मेट में इस बल्लेबाज ने 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाए। 1981-82 में यशपाल शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 140 रन बनाते हुए जीआर विश्वनाथ के साथ 316 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यशपाल वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, जो उस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उन्होंने 8 मुकाबलों में 34.29 की औसत के साथ 240 रन बनाए। यशपाल ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 89 रन, जबकि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 61 रन की पारी खेली थी। रिटायरमेंट के बाद यशपाल कोचिंग, कमेंट्री और क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे। उन्होंने दो चरणों (साल 2004-05 और 2008-11) में नेशनल सिलेक्टर के तौर पर काम किया। कई घरेलू मुकाबलों में मैच रेफरी की भूमिका निभा चुके यशपाल शर्मा दिल्ली की क्रिकेट सलाहकार समिति का भी हिस्सा रहे। 13 जुलाई 2021 को दिल का दौरा पड़ने से यशपाल शर्मा का निधन हो गया। इस दिग्गज क्रिकेटर ने अपने करियर में साबित किया है कि बड़े मंच पर दबाव के बावजूद आत्मविश्वास और मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है।

## संक्षिप्त समाचार

### 25 हजार+ रन और 577 विकेट

#### ब्रेट ली ने तेंदुलकर नहीं इस दिग्गज को बताया सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

**नई दिल्ली ।** मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर दुनिया के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों में 10,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी जैक्स कैलिस दुनिया के इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे में 10,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ दोनों फॉर्मेट में 250 से ज्यादा विकेट भी लिए हैं। तेंदुलकर टेस्ट और वनडे में क्रमश: 15,921 और 18,426 रन स्कोर के साथ सबसे ज्यादा रन

बनाने वाले खिलाड़ी हैं, वहीं कैलिस को दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने तीनों प्रारूप मिलाकर 25000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 277 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया है कि वे तेंदुलकर को अब तक का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज और कैलिस को अब तक का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर मानते हैं।

**सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस-** ली ने यूट्यूब पर पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' में बात करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि मेरे हिसाब से सचिन तेंदुलकर अब तक के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन मेरी राय में सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस हैं। उनके आंकड़े दुनिया में सबसे अच्छे हैं। अगर आप उनके आंकड़े देखें तो वे कभी झूठ नहीं बोलते। वे सच में कमाल के हैं।'

**कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे-** ली ने आईपीएल में कैलिस के साथ बिताए अपने समय के बारे में भी बात की और बताया कि बैटिंग करने जाने से पहले कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे।

### KBC में अमिताभ बच्चन ने पूछा सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल

#### आमिर खान-सनी देयोल को नहीं पता था जवाब

**नई दिल्ली ।** कौन बनेगा करोड़पति के 18वें सत्र के पहले एपिसोड में दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने आमिर खान, प्रीति जिंटा और सनी देओल ने भारतीय के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल पूछा। आमिर खान और सनी देओल को इसकी इसकी जानकारी नहीं थी। पंजाब किंग्स की सह-



मालकिन प्रीति जिंटा ने इसका जवाब दिया, लेकिन वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थीं। अमिताभ बच्चन ने 1 लाख रुपये के सवाल में पूछा कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में ऑरेंज कैप कौन जीता? इसके लिए स्क्रीन पर पर्पल कैप के सामने गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की फोटो दिखाई गई और पूछा गया कि ऑरेंज कैप के सामने किस खिलाड़ी को फोटो आएगी। इनमें 4 ऑप्शन केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी थे। **मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी-** आमिर खान ने स्क्रीन की ओर देखते हुए प्रीति जिंटा से कहा, 'यार क्रिकेट का आपको पता होना चाहिए।'

# गॉल में भारत का रिकॉर्ड

#### 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले, भारत को 22 में जीत मिली है

**नई दिल्ली।** श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों देशों के बीच 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले गए। भारत को 22 में जीत मिली है और 7 में हार का सामना करना पड़ा। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम 11 साल से अजेय है। 2015 में उसे 63 रन से हार मिली थी। यह मैच गॉल में ही खेला गया था, जहां भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से पहला मैच खेला जाएगा। केएल राहुल उस मैच का हिस्सा थे और उनका बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन और विराट कोहली ने पहली पारी में शतक जड़े थे।

# श्रीलंका से आखिरी बार यहीं टेस्ट गंवाया, केएल राहुल थे हिस्सा

### 2015 गॉल टेस्ट के बाद भारत का दबदबा

इस मैच के बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 10 मैच हुए हैं। भारतीय टीम 8 मैच जीती है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। एक मैच गॉल में भी हुआ है, जिसमें भारत ने 2017 में 304 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने गॉल में 5 मैच खेले हैं। 2 में जीत मिली है और 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

#### घुटने की चोट के कारण

# सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर

**नई दिल्ली ।** दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा। सिनर ने एक बयान में कहा, 'अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना ??होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं।'

सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। 'सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।'

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे।इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

### रोहित की छुट्टी

#### IPL खेल चुके खिलाड़ी को कमान, वनडे में नेपाल का बदला कप्तान

**नई दिल्ली।** नेपाल ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंस प्रीमियर कप से पहले वनडे क्रिकेट में कप्तान बदल दिया है। यह 50 ओवर का टूर्नामेंट 2027 एसीसी मेंस एशिया कप के लिए क्वालिफायर के तौर पर काम करता है। नेपाल ने इस टूर्नामेंट से पहले अनुभवी खिलाड़ी संदीप लामिछाने को रोहित पौडेल की जगह कप्तान बना दिया है।

लामिछाने के पास इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का अनुभव है। 2018-2019 में दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे और 9 मैच खेले थे। उन्होंने 13 विकेट लिए थे। 26 साल के इस लेग स्पिनर ने वनडे में 77 मैच खेले हैं और 154 विकेट लिए हैं।

**पौडेल की कप्तानी में निखरा नेपाल-** 2022 में पौडेल के कप्तानी संभालने से पहले लामिछाने ने 14 वनडे मैचों में नेपाल की कप्तानी की थी। पौडेल ने अपने कार्यकाल में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल को 12 में से 11 वनडे मैच जिताने में मदद की, जिससे टीम ने जून 2023 में जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जगह बनाई।

### लामिछाने की उपलब्धियां

पौडेल ने बैटिंग ऑर्डर में एक भरोसेमंद और अहम खिलाड़ी की भूमिका निभाई। लामिछाने के नाम उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले नेपाली खिलाड़ी है। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी हैं।

# अफगानिस्तान वनडे वर्ल्ड 2027 के लिए क्वालिफाई

#### आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

**नई दिल्ली।** अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

### राशिद और यामिन ने जीत दिलाई

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

### अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

### UPT20: जुरेल जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से कैसे मिलता है फायदा?

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश टी20 (यूपीटी20) लीग का चौथा सीजन इस बार और भी भव्य और रोमांचक होने जा रहा है। गोरखपुर लायंस की टीम ने टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज आर्यन जुयाल

और तेज गेंदबाज विशाल निषाद ने टीम की तैयारियों, रणनीतियों और आगामी सीजन पर मीडिया से विशेष बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने से क्या लाभ मिलता है। दोनों खिलाड़ी आईपीएल में चुने जा चुके हैं खिलाड़ियों के अनुसार इस सीजन में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा रहने वाला है। टीम प्रबंधन और ओनरशिप ने ऑक्शन से लगभग डेढ़ महीने पहले ही होमवर्क शुरू कर दिया था, जिसके दम पर एक संतुलित और मजबूत टीम कॉम्बिनेशन तैयार किया गया है।

# विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप: बंदरों से निपटने का उपाय

### लंगूर की आवाज निकालने वालों की ली जाएगी सेवा

**नई दिल्ली।** अगले सप्ताह दिल्ली में शुरू होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान बंदरों के खलल को रोकने के लिए आयोजकों ने एक अनोखा उपाय अपनाया है। उन्होंने तीन पेशेवर विशेषज्ञों को बुलाया है, जो लंगूर की तरह आवाज निकाल सकते हैं ताकि बंदरों को स्टेडियम से दूर भगाया जा सके।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने माना कि यह उपाय सुनने में लोगों को मजाकिया लग सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे यह भी पता चलता है कि भारत इस विश्वस्तरीय आयोजन को सफल बनाने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास कर रहा है।

**इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प-** 17 वर्षों बाद भारत में लौट रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई)

और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने मिलकर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प किया है। इसका उद्देश्य इस वर्ष जनवरी में हुए इंडिया ओपन के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई आलोचना जैसी स्थिति से बचना है।

**'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदर-** आयोजकों ने तीन प्रशिक्षित 'मंकी व्हिस्परर्स' (बंदरों को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ) को नियुक्त किया है, जो लंगूर की आवाज निकालकर 'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदरों को डराकर भगाएंगे।

### इंडिया ओपन में डाला था खलल

इंदिरा गाधी स्टेडियम में ही 17 से 23 अगस्त तक विश्व चैंपियनशिप आयोजित होगी। यह अनोखा कदम जनवरी में हुए इंडिया ओपन के बाद उठाया गया है। उस टूर्नामेंट के दौरान बंदर दर्शक दीर्घा तक पहुंच गए थे, जिससे कुछ समय के लिए मुकाबलों में व्यवधान पड़ा और इसकी तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बनी थीं।

### लंगूर से डरते हैं 'रीसस मकाक'

विशेषज्ञों के अनुसार, 'रीसस मकाक' बंदर लंगूर से डरते हैं। लंगूर आकार में उनसे काफी बड़े होते हैं। इसी स्वाभाविक डर का फायदा उठाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि ऐसे कार्यों के लिए वास्तविक लंगूरों के इस्तेमाल पर वर्ष 2012 में प्रतिबंध लगा दिया गया था।